6,795 98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के काफिले की कार में ब्लास्ट

NEW DELHI : मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के काफिले की कार में ब्लास्ट हुँआ है। यह धमाका खुफिया एजेंसी एफएसबी के मुख्यालय के बाहर हुआ। यह एक लग्जरी लिमोजिन कार थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंजन में आग लग गई थी और फिर अंदर फैल गई। जिस वक्त ये हादसा हुआ, उस वक्त पृतिन न तो इस कार के आस-पास थे और न ही यह कार उनके किसी काफिले में शामिल थी। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह हत्या की साजिश थी या सिर्फ एक हादसा इसके बाद से पुतिन की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय में चिंताएं बढ़ गई है। 26 मार्च को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया था कि जल्द पुतिन की मौत होगी। राष्ट्रपति पुतिन अक्सर इस लिमोजिन कार का इस्तेमाल करते रहते हैं। उन्होंने नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को भी पिछले साल यह कार गिफ्ट की थी। इसे

नॉर्थ-ईस्ट के 3 राज्यों में 6 महीने के लिए बढ़ा अफस्पा

रूस में बनाया जाता है।

NEW DELHI : केंद्र सरकार ने मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफस्पा) को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के अनुसार, मणिपुर में जारी हिंसा के कारण कानून व्यवस्था की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया। मणिपुर के 13 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र को छोड़कर बाकी पूरे राज्य में 1 अप्रैल 2025 से अगले छह महीने तक अफस्पा लागू रहेगा। नगालैंड के दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिलों को अशांत क्षेत्र घोषित किया है इसके अलावा कोहिमा, मोकोकचुंग लोंगलेंग, वोखा और जुनहेबोटो जिलों के कुछ पुलिस थाना क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। यहां भी 1 अप्रैल 2025 से अगले छह महीने तक अफस्पा लागू रहेगा। वहीं अरुणाचल प्रदेश के तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों के साथ 3 पुलिस थानों के क्षेत्रों में भी छह महीने के लिए अफस्पा बढ़ा दिया गया है।

मस्जिद में विस्फोट से दहशत, दो गिरफ्तार

BEED : रविवार को बीड जिले में स्थित अर्धमसला गांव की मस्जिद में विस्फोट होने से इलाके में दहशत फैल गई। इस विस्फोट में सिर्फ फर्श और आसपास कुछ दरारें आ गई है और कोई हताहत नहीं हुआ है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया और दोनों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार को तडके करीब ४ बजे मस्जिद में जिलेटिन विस्फोट होने से इलाके में दहशत फैल गई। विस्फोट के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया और घटना की तत्काल जांच की मांग की। विस्फोट की सूचना मिलन पर बम का पता लगाने वाली टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ बीड पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई।

नजर आया चांद, ईद मुबारक

रविवार की शाम को ईद का चांद नजर आ गया। सोमवार को ईद मनाई जाएगी। ईदगाहों और मस्जिदों में सुबह नमाज अदा की जाएगी। एदार-ए-शरिया झारखंड और इमारत-ए-शरिया झारखंड ने चांद दिखाई पड़ने की औपचारिक रूप से घोषणा की। चांद [.] का दीदार होने के साथ ही ईद की खुशियां शहर की फिजा में घुल गई। मस्जिदों में ईद नमाज से संबंधित एलान हुए, जबिक सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लगा रहा। लोग एक दूसरे को ईद के चांद की बधाई देते रहे। शहर के विभिन्न मुस्लिम मोहल्लों में खुशी के इस मौके पर पटाखे छोड़े गए। ईद की

तैयारियां रात से ही शुरू कर दी गईं। सभी मुस्लिम मोहल्ले, चौकँ-चौराहों, गली-कूचों को कुम्कुमे, चमचमाती रंग-बिरंगे झालर, फोटो : वसीम अकरम के कैमेरे से। लाइट से सजाया गया। बच्चों ने रातरात भर जाग कर सजाने का काम किया।



[ै] देर रात तक होती रही खरीदारी

ईद के चांद का एलान होते ही बाजारों में भीडज्ञउमडी। हर कोई खरीदारी करते नजर आया। सेवई, लच्छा की दुकानों में भीड़ रही। कपड़ा की दुकान, राशन दुकान, पानीपुरी ठेला आदि सभी जगहों पर भीड़ रही। देर रात तक लोग खरीदारी करते रहे। चांद दिखने का एलान होते ही मुस्लिम घरों में महिलाएं पंकवान बनाने में जुट गईं। छोला चाट, पानीपुरी, दहीबड़ा, बिरयानी, पुलाव, हलवा, लच्छा, सेवई, गुलाब जामुन आदि पकवान बनाने में जुटी रहीं हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कर्बला चौक के पास झूला लगा। झूला के आसपास कई खाने पीनें के स्टॉल लगाए गए।



रांची जिला पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हर जगह पुलिस के जवान की तैनाती है। अपील की गई है कि ईद का त्योहार पूरी ईमानी बेदारी के साथ मनाया जाए। इत्मीनान व सुकून के साथ नमाज के लिए आए और जाएं। इस्लाम के पैगाम को आम किया जाए और यह कोशिश की जाए कि आप से किसी को तकलीफ ना पहुंचे।

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड की जिन 20 लाख

महिलाओं को मंईयां सम्मान

योजना का लाभ मार्च में नहीं

मिला है, उनके लिए बड़ी

खुशखबरी। उन्हें जनवरी, फरवरी

और मार्च के बकाया 7500 रुपये

दिए जाएंगे। ये वैसी महिलाएं हैं,

जिनका बैंक खाता आधार से

लिंक नहीं है या फिर जिनके एक

से अधिक बैंक खाते हैं। अगर

इन्होंने बैंक खाता आधार से लिंक

नहीं कराया और सिंगल खाता

नहीं हुआ तो अप्रैल 2025 से

इन्हें इस योजना का लाभ नहीं

मिलेगा। बता दें कि गत दिनों राज्य

सरकार की कैबिनेट की बैठक में

इस पर सहमति दी गई थी। मख्यमंत्री हेमंत सोरेन की

अध्यक्षता में हुई बैठक में 18

प्रस्तावों पर महर लगाई गई थी।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद

कैबिनेट की प्रधान सचिव वंदना

दादेल ने बताया था कि मुख्यमंत्री

मंईयां सम्मान योजना में आंशिक

खाते से बिना आधार लिंक

के भी महिलाओं को दी जाएगी

मंईयां सम्मान की राशि

रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 120वें एपिसोड का किया गया प्रसारण

भारत की विविधता में एकता का एहसास कराते हैं त्योहार : पीएम

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 120वें एपिसोड में हिंदू नववर्ष का जिक्र किया। उन्होंने देशवासियों को चैत्र नवरात्र, गुड़ी पाड़वा और हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दी। पीएम ने कहा कि भारतीय नववर्ष की भी शुरूआत हो गई है। यह विक्रम संवत 2082 का प्रारंभ है। साथ ही आज गुड़ी पाड़वा का भी दिन है। यह अत्यंत पावन दिन है। ये त्योहार भारत की विविधता में एकता का एहसास कराते हैं। उन्होंने इस बार परीक्षा देकर लोटे छात्रों के लिए नए टास्क दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार गर्मियों में आपको कुछ नया सीखना है और उसको #माईहॉलीडे साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट करना है। बता दें कि इससे पहले 23 फरवरी को पीएम ने 'मन की बात' के 119वें एपिसोड में स्पेस सेक्टर, नारी शक्ति, चैंपियंस ट्रॉफी-क्रिकेट पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, खेलो चर्चा की थी। इसके अलावा इंडिया, वन्य जीवों और फिटनेस पीएम ने कहा कि आज कर्नाटक, पर्व बहुत धुमधाम से मनाया जा

मोदी ने दी हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं, समर वेकेशन में बच्चों को मिला टास्क

• छुट्टियों में स्टूडेंट्स को कुछ सीखना है नया सोशल मीडिया पर करना • संस्कृति व खेल की गतिविधियों का हिस्सा बनकर युवा करें अपना

गर्मी में देशवासियों को जल संरक्षण के लिए हर स्तर पर निभानी होगी भूमिका

लीडरशिप क्वालिटी समझना महत्वपूर्ण

पीएम मोदी ने कहा कि आज बच्चे नए-नए प्लेटफ्रॉम से बहुत कुछ सीख सकते हैं। जैसे कोई टेक्नॉलाजी के बारे में सीख सकता है तो कोई थियटर या लीडरशिप क्वालिटी सीख सकता है।

ऐसे कई स्कूल हैं, जो स्पीच और ड्रामा सिखाते हैं। ये बच्चों को बहुत काम आते हैं। बच्चे गर्मियों की छुट्टियों में कई जगह चल रहे वॉलंटीयर एक्टिविटीज सेवा कार्यों से जुड़ सकते हैं।

जैसे मुद्दों पर भी बात की थी। आंध्र प्रदेश, तेलंगना में उगादि का

आक्रमण हुए, हमारी संस्कृति को नष्ट

NAGPUR: रविवार को प्रधानमंत्री

स्वयंसेवक संघ एक वटवृक्ष की तरह

है। यह वटवृक्ष बीते 100 वर्ष से आदर्श

देश का अस्तित्व उस देश की संस्कृति

पीढ़ी-दर- पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।

और सिद्धांतों पर टिका है। किसी भी

के विस्तार पर निर्भर करता है, जो

देश पर कई विदेशी आक्रमण हुए,

संस्कृति को नष्ट करने के प्रयास हुए

लेकिन भारतीय संस्कृति की चेतना

रविवार को नागपुर स्थित माधव

कभी समाप्त नहीं हुई। प्रधानमंत्री मोदी

नेत्रालय के प्रीमियम सेंटर इमारत के

भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर

रहें थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी

भी देश का हमारे देश पर कई विदेशी

नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय

100 वर्षों से आदर्श और सिद्धांतों

पर टिका है संघ का वटवृक्ष : मोदी

करने के प्रयास किए गए, फिर भी भारतीय संस्कृति की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई। यह चेतना बनाए रखने के लिए अनेक आंदोलनों का आयोजन भारत में हुआ। भक्तिरस से भरे आंदोलन इसका उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे संतों ने समाज में यही चेतना जागृत की। महाराष्ट्र के संत तुकाराम, संत एकनाथ, संत नामदेव, संत ज्ञानेश्वर ने यह कार्य किया। फिर स्वामी विवेकानंद ने इसे आगे बढाया।

रहा है। आज ही महाराष्ट्र में गुड़ी पडवा मनाया जा रहा है।

रांची बंद : पंडरा ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने की लिखित शिकायत एक्शन में पुलिस, 77 लोगों के खिलाफ एफआईआर

PHOTON NEWS RANCHI:

27 मार्च को भाजपा नेता अनिल टाइगर की हत्या के खिलाफ पार्टी की ओर से बुलाए गए रांची बंद के विरुद्ध पुलिस ने एक्शन में है। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेट समेत सात नामजद और 70 अज्ञात लोगों के खिलाफ शनिवार को एफआईआर दर्ज की गई है। उस दिन पिस्का मोड़ में सड़क जाम किए जाने को लेकर पंडरा ओपी प्रभारी मनीष कुमार की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवेदन में बताया है कि बंद समर्थकों ने पिस्कामोड़ में आसपास की दुकानों को जबरन बंद कराया और सडक पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। इससे

वहां अराजक स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

ये हैं नामजद आरोपी

पंडरा ओपी प्रभारी मनीष कुमार की लिखित शिकायत पर दर्ज कराई गई प्राथमिकी में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेंट के अलावा ललित ओझा, सत्यनारायण सिंह, कुमुद झा, बैजू सोनी, प्रदीप ओझा, धर्मेंद्र साहू, अशोक यादव को नामजद किया गया है। इसके अलावा ७० अज्ञात पर पिस्का मोड़ में सड़क जाम कर विधि-व्यवस्था भंग करने, सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, दंडाधिकारी सुजीत कुमार व पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की करने का आरोप है।

FIR

भाजपा नेता अनिल टाइगर की हत्या के खिलाफ पार्टी ने बुलाया था बंद

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ सहित सात लोगों पर नामजद केस दर्ज बाडक सवार अपराधियों ने गोली मारकार की थी हत्या

सवार दो अपराधियों ने भाजपा नेता और रांची के पूर्व जिला परिषद सदस्य ५० वर्षीय अनिल महतो टाइगर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वारदात कांके थाना के पास शिव मंदिर परिसर स्थित एक होटल में उस समय हुई, जब वे मोबाइल देख रहे थे। हालांकि स्थानीय लोगो की मदद से पुलिस ने एक शूटर को गिरफ्तार किया था, जबकि दूसरा फरार होने में सफल हो गया था।

बता दें कांके में 26 मार्च को बाइक

ओडिशा में पटरी से उतरे बैंगलोर-कामाख्या टेन

BHUBANESWAR : रविवार को ओडिशा ईस्ट कोस्ट रेलवे के खुर्दा रोड डिवीजन के कटक-

🛮 ८ यात्री घायल घटना के तुरंत बाद शुरू कर दिए गए राहत और बचाव के कार्य 🖜 डीआरएम

खुर्दा रोड, जीएम. ईसीओआर व अन्य अधिकारी घटनास्थल

वाले स्थान के कई वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। पुलिस के अधिकारियों

को भी वहां देखा जा सकता है, जो राहत और बचाव कार्य में मदद एक्सप्रेस ट्रेन हादसे पर ईस्ट कोस्ट रेलवे के सीपीआरओ अशोक कुमार मिश्रा ने कहा, हमें १२५५१ कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बों के पटरी से उतरने की सूचना मिली। जहां तक हमें सूचना मिली है, दुर्घटना उच्च स्तरीय अधिकारी घटनास्थल



और बचाव कार्य तेज कर दिए गए। हादसे

पहुंचा रहे हैं। कामाख्या सुपरफास्ट राहत ट्रेन, आपातकालीन चिकित्सा उपकरण भेजे गए। डीआरएम खुर्दा रोड, जीएम,ईसीओआर और अन्य

के ११ डिब्बे, एक की मौत

नेरगुंडी स्टेशन के पास 12551 बैंगलोर-कामाख्या ट्रेन के ११ डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 घायल हो गए। घटना के बाद राहत

पर पहुंचे

पर पहुंचे।



संशोधन किया गया है। योजना में 38 लाख महिलाओं को मिल चकी है राशि नेरगुंडी रेलवे सेक्शन में

गौरतलब है कि राज्य की 38 लाख महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत जनवरी, फरवरी व मार्च माह की कुल ७५०० की राशि मिल चुकी है। होली के पूर्व ही राशि का भुगतान हो चुका है। 20 लाख महिलाएं, जिन्हें ७५०० रुपये की राशि का भुगतान होना है, उन्हें इसी महीने 31 मार्च तक

राशि दे दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों के दौरान हेमंत सोरेन की पार्टी ने वादा किया था कि प्रदेश में सरकार आने के बाद महिलाओं को 2500 रुपये हर महीने दिए जाएंगे। सरकार बनने के बाद से महिलाओं को हर महीने के हिसाब से 2500 रुपये दिए जा रहे हैं।

🔪 लाभुकों के खातों में भेजे

जाएंगे जनवरी, फरवरी

और मार्च के ७५०० रुपये

20 लाख महिलाओं को

मिलेगा इसका फायदा

अप्रैल से आधार लिंक

🔪 गत दिनों हुई कैबिनेट की

मीटिंग के फैसले में

किया गया है संशोधन

> एक से अधिक बैंक खात

से नहीं मिलेगा लाभ

था कि जिन महिलाओं का बैंक

खाता आधार से लिंक नहीं है या

एक से अधिक खाता है, उन्हें

दिसंबर 2024 तक आर्थिक

सहायता दी जाएगी। इसमें

संशोधन करते हुए इस अवधि को

मार्च 2025 तक बढाया गया है।

इस आधार पर जिनका बैंक खाता

आधार लिंक नहीं है और एक से

अधिक खाते हैं, उन्हें जनवरी से

मार्च तक की राशि दी जाएगी।

वाले लाभुकों को अप्रैल

अनिवार्य

मार्च का अंत होते-होते शुरू हो गया गर्मी का सितम

राज्य में 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचा उच्चतम पार

मार्च महीने का अंत होते-होते झारखंड में गर्मी का सितम शुरू हो चुका है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान और बढ़ेगा। हालांकि, अगले दो दिनों तक उच्चतम तापमान में किसी खास बदलाव की उम्मीद नहीं है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र ने रविवार को बताया कि राज्य का उच्चतम तापमान 39.4 डिग्री हो गया है। न्यूनतम तापमान रविवार 11.6 डिग्री सेंटीग्रेड दर्ज किया गया। दो दिनों के बाद अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। मौसम विभाग के



मैक्सिमम टेंपरेचर में और वृद्धि की जताई गई है संभावना

• मौराम विभाग के अनुसार, अभी दो दिनों तक तापमान में नहीं होगा कोई खास बदलाव

अनुसार, राजधानी रांची का उच्तम तापमान 1.9 डिग्री सेंटीग्रेड घटकर 33.4 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया है।

गंभीर चिंता वानवीय गतिविधियों व जलवायु परिवर्तन की वजह से बड़े संकट की आशंका

जीवन रक्षक ओजोन परत को नुकसान पहुंचा रही मीथेन गैस मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल जैसे वैश्विक प्रयासों के बावजूद बरकरार है प्रतिकूल परिस्थिति **PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK**

हम सभी जानते हैं कि पृथ्वी पर ऊर्जा का मूल स्रोत

सूर्य है। खगोल और भौतिक विज्ञान से यह जानकारी हासिल हुई है कि सूर्य से निकलने वाली किरणों में अल्ट्रावायलेट (परा बैंगनी) किरणें ऐसी होती हैं, जो पृथ्वी पर सीधे आ जाएं तो यहां के जीव–जंतुओं का जीवन संकट में पड़ जाएगा। इन किरणों को रोकने के लिए सूर्य और पृथ्वी के बीच ओजोन परत होती है, इसलिए इसे जीवन रक्षक परत कहा जाता है। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण के कारण ओजोन परत कमजोर हुई है और इसके तमाम कारणों पर लगातार रिसर्च होता रहा है। हाल के रिसर्च से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि ओजोन परत को बचाने के तमाम प्रयासों के बावजूद मीथेन गैस इसे सर्वाधिक नुकसान पहुंचा रही है। मीथेन का एक अणु कार्बन के एक और हाइड्रोजन के चार परमाणुओं से मिलकर बना होता है। यह एक रंगहीन, गंधहीन और अत्यधिक ज्वलनशील गैस है। यह प्राकृतिक गैस का मुख्य घटक है। मीथेन मानवीय गतिर्विधयों और प्राकृतिक स्रोतों के जरिए वायुमंडल में प्रवेश करती है।

बीजिंग नॉर्मल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लंबे समय तक किया है विशेष अध्ययन भूमिका पर दी है विस्तृत

स्टडी के निष्कर्षों को नामक जर्नल में किया गया

क्लाइमेट चेंज को बढ़ावा मीथेन गैस का बड़ा योगढा

भविष्य में मीथेन का अधिक उत्सर्जन ओजोन की मजबूती के मार्ग में सबसे बडी बाधा

जटिल रासायनिक क्रियाओं का विश्लेषण

बीजिंग नॉर्मल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अध्ययन में मीथेन की दोहरी भूमिका को रेखांकित किया गया है। मीथेन एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है, जो

जलवाय़ परिवर्तन को बढ़ावा देती है। इसके अलावा यह वायुमंडल में विभिन्न जटिल रासायनिक क्रियाओं में भी भाग लेती है, जो ओजोन स्तर को प्रभावित कर सकती हैं।

प्रभावी रणनीतियां तैयार करना जरूरी अध्ययन के अनुसार बढ़ता प्रकृति को समझा जा सकता है, जिससे जलवायु प्रबंधन के लिए

मीथेन उत्सर्जन बेहद खतरनाक है, क्योंकि यह आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में ओजोन परत की बहाली पर विशेष रूप से गंभीर प्रभाव डाल सकता है। जिस प्रकार जमीनी स्तर पर ओजोन हानिकारक होती है, लेकिन समताप मंडल में यह लाभकारी भमिका निभाती है. उसी तरह मीथेन और अन्य संबंधित तत्व भी दोहरे प्रभाव उत्पन्न कर सकते हैं। गहराई से अध्ययन करने पर इनकी जटिल

में ओजोन परत की पुनर्स्थापना को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। एक अध्ययन में मीथेन उत्सर्जन और समताप मंडल में ओजोन परत की बहाली के बीच मौजूद जटिल संबंधों को उजागर किया गया है।

प्रभावी रणनीतियां तैयार करने में

मदद मिलेगी। वैज्ञानिकों ने नए

शोध में यह बताया है कि यदि

भविष्य में मीथेन उत्सर्जन में वृद्धि

जारी रहती है तो यह ध्रुवीय क्षेत्रों

O BRIEF NEWS हनुमान भजन 'पटना के मंदिर' विमोचित



JAMSHEDPUR : शहर के गीतकार तोमर सत्येंद्र सिंह द्वारा लिखित हनमान भजन 'पटना के मंदिर' का विमोचन रविवार को सोनारी स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर में किया गया। इस मौके पर विधायक सरय राय, गायक भवेश कमार, संगीत निर्देशक मनीष राजा व अलबम के निमार्ता सुनील सिंह भी उपस्थित थे।

हिंदू नववर्ष पर ग्रामीणों में बांटे अनाज



JAMSHEDPUR : हिंदु नववर्ष पर शिरडी साई चैरिटेबल ट्रस्ट, जमशेदपुर ने रविवार को पूर्वी सिंहभूम के डोगरागाल व ढ़ोलकोचा के ग्रामीणों में अनाज बांटे। डोगरागाल उत्क्रमित विद्यालय के प्रांगण में हुए अन्नदान कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक विजय मेहता, शरत चंद्रन, पूरबी घोष, बासुदेब चौधरी, सीसीएस राव, महेंद्र गुप्ता, रोहन मेहता, संतोष शर्मा, किशोर, योगेंद्र प्रसाद, चिंटू व विनय शामिल थे।

घस मांगने के आरोपी लिपिक का किया गया तबादला

DHANBAD: सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी के स्थानांतरण के एवज में एक लाख रुपये घुस मांगने के आरोप में कार्रवाई हुई है। उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रतापन ने आरोपी लिपिक संजुत कुमार सहाय का सिविल सर्जन कार्यालय से तोपचांची सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थानांतरण कर दिया है। कांग्रेस नेता इजहार अहमद बिहारी ने सिविल सर्जन और आरोपी लिपिक पर सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी के स्थानांतरण के एवज में एक लाख रुपये घूस मांगने का आरोप लगाया था। इसके लिए सिविल सर्जन को लीगल नोटिस भेजा गया था। लीगल नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर कांग्रेस नेता ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की। इधर लिपिक पर कई आरोप को देखते हुए उपायुक्त ने सिविल सर्जन को फटकार लगाई थी और स्थानांतरण

करने का निर्देश दिया था। रेलवे कन्सेशन के लिए बुजुर्गों ने दिया धरना

JAMSHEDPUR: सिंहभूम केंद्रीय वरिष्ठ नागरिक समिति, जमशेदपुर के नेतृत्व में रविवार को शहर के बुजुर्गों ने टाटानगर रेलवे स्टेशन पर धरना दिया। संस्था के अध्यक्ष शिवपूजन सिंह ने कहा कि आजादी के बाद से ही टेनों के टिकट में वरिष्ठ नागरिकों को 40 से 50 प्रतिशत तक छूट मिलती आ रही थी। लेकिन, कोरोना काल से इसे बंद कर दिया गया। इसके लिए सांसद बिद्युत बरण महतो सहित हर उचित मंच पर संस्था ने मांग रखी, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। प्लेटफॉर्म नंबर-एक पर दिए जा रहे धरने में जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय भी पहुंचे और बुजुर्गों की मांग का समर्थन किया। सरयू राय ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की यह मांग नई नहीं है, जो मिल रहा था उसी को मांग रहे हैं।

भूमिहार मेंशन में पनाह लिए था यूपी के मुख्तार अंसारी गैंग का शूटर

मुठभेड़ में अनुज को मार गिराने के बाद पुलिस ने डिफ्यूज किया बम

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के बहलोलपर गांव का रहने वाला कुख्यात बदमाश अनुज कनौजिया शनिवार की रात मुठभेड़ में मारा गया। उसे पकड़ने के लिए यपी की एसटीएफ आई थी। अब सवाल उठ रहे हैं कि जमशेदपुर के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के छोटा गोविंदपुर के अमलतास सिटी के जिस भूमिहार मेंशन में छिपा था, उसका मालिक कौन है। पुलिस अब उसकी तलाश में जुट गई है। अनुज कनौजिया को यहां छिपने के लिए किसने पनाहगाह दी थी। भूमिहार मेंशन की चाबी किसके पास रहती थी। किसने अनज कनौजिया को यह चाबी उपलब्ध कराई थी। अनुज कनौजिया जमशेदपुर कैसे पहुंचा था। उसके जेहन में जमशेदपुर में छिपने का ख्याल कैसे आया और वह कौन लोग हैं, जिन्होंने मुख्तार अंसारी गैंग के शातिर शटर को यहां छिपने में मदद की है। यह ऐसे सवाल हैं जो लोगों के जेहन में तैर रहे हैं। पुलिस भी इन सवालों का जवाब खोजने में जुट गई है। जमशेदपुर पुलिस इस पूरे घटनाक्रम की तह तक पहुंचने की कोशिश में लगी

गोरखपुर एसटीएफ और झारखंड



की एटीएस ने मिल कर एक संयुक्त अभियान में शनिवार की रात मख्तार अंसारी के गर्गे अनज कनौजिया को जमशेदपुर के गोविंदपुर के भूमिहार मेंशन में घेर कर एक मठभेड में मार गिराया था। इलाके के लोग बताते हैं कि यूपी एसटीएफ की दो गाड़ियां दो दिन से इलाके में घूम रही थीं। शनिवार की रात आठ बजे एसटीएफ और झारखंड पुलिस की गाड़ियां क्षेत्र में पहुंची थीं। मगर, मुठभेड़ रात तकरीबन सवा 10 बजे शरू हुई। इलाके के लोग बताते हैं कि कम से कम 45 राउंड गोलियां चली थीं। बताते हैं कि अनुज कनौजिया ने पुलिस पर

16 राउंड से अधिक फायरिंग की थी। यही नहीं, उसने बम भी फेंके थे। मगर, ये बम फटे नहीं थे। इन्हीं बमों को सबह पलिस की टीम ने आकर डिफ्यूज किया है। पहले लगा कि हिंदु नववर्ष की

आतिशबाजी हो रही : क्षेत्र के एक युवक रमेश ने बताया कि शरूआत में लगा कि आज हिंद नववर्ष है। लग रहा था कि कुछ युवक त्योहार को लेकर पटाखे दाग रहे हैं। मगर, जब गोलियों की आवाज लगातार आने लगी तो लोगों ने बाहर निकल कर देखा। हर तरफ पलिस ही पलिस नजर आ रही थी। पुलिस ने अमलतास सिटी का गेट बंद कर दिया था। किसी को अंदर जाने नहीं दिया जा रहा था। पलिस को घटनास्थल से बमों के अलावा, 9 एमएम की ब्राउनिंग सर्विस पिस्टल और 32 बोर की एक पिस्टल भी बरामद की है। पुलिस का कहना है कि इस मठभेड़ में उसने अनुज के एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है। गार्ड रूम के बाहर मारा गया अनुज : पुलिस के अनुसार कुख्यात बदमाश अनुज कनौजिया भमिहार मेंशन के गार्ड रूम में छिपा हुआ था। भूमिहार मेंशन जैसा नाम है वैसे कोई हवेली नहीं है। भिम के एक प्लाट को ऊंची बाउंड्री से घेर कर गेट लगा दिया

नक्सिलयों के नाम पर लेवी वसूलने वाला गिरोह धराया

आदर्शनगर के निवासियों ने उटाए कई मुद्दे, निर्णयों का किया स्वागत

स्थित आदर्श सहकारी गृह निर्माण स्वावलंबी समिति लिमिटेड की 21वीं वार्षिक आमसभा रविवार को आदर्श कल्चरल मैदान, सोनारी में हुई। सभा की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष गरुमीत सिंह ने की। इसमें सदस्यों ने हाल के कुछ महीनों में लिए गए निर्णय में बहुत सारी आर्थिक छूट का स्वागत किया। इसके साथ ही समिति द्वारा बनवाए गए भवन व अन्य इंफ्रास्ट्रक्कर की स्थिति खराब होने तथा उसे दुर करने का मुद्दा उठाया। समिति की ओर से बताया गया कि ऑडिट रिपोर्ट की पूरी कॉपी वर्ष 2023-24 के वार्षिक प्रतिवेदन में है। एक सदस्य ने पिछले साल के मुकाबले इस साल



सत्यनारायण सिंह ने प्रश्न किया कि सदस्यों को भारी छट दी गई है. लेकिन इससे होने वाले नुकसान की भरपाई कैसे होगी, इसका जिक्र नहीं है। इस पर डिप्टी सीईओ-2 ने जवाब दिया कि अधिक से अधिक सदस्यों को सुविधा देकर उनसे मिलने वाले

रेवेन्य से इसकी भरपाई होगी। कई सदस्यों ने कहा कि संस्था प्राइवेट लिमिटेड होने से क्या फायदा होगा। इस पर मैनेजर(सीएंडआर) ने बताया कि सर्किल रेट से मुक्ति मिलेगी तथा एक ही परिवार में 99 वर्षों तक लीज ट्रांसफर पर मात्र एक प्रतिशत चार्ज

स्टील कंपनी में लगी आग, मच गई अफरातफरी

PHOTON NEWS SARAIKLA: सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर थाना अंतर्गत बड़ा सिज्लता पंचायत के उरुघुटु गांव स्थित सत्यम स्टील कॉमट्रेड कंपनी में रविवार को अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना के करीब एक घंटे बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इस बीच आग ने परी कंपनी को अपनी आगोश में ले था. जिससे अफरातफरी मच गई। हालांकि आसपास के ग्रामीणों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया, मगर नाकाम रहे। आग की ऊंची उठती लपटें और काले-काले धुएं



बेहद डरावने नजर आ रहे थे। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी, फिलहाल इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। इस अगलगी में कंपनी को लाखों के नुकसान होने का अनमान लगाया जा रहा है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है। बता दें कि उक्त कंपनी में प्लास्टिक गलाने का काम होता है।

विहंगम योग संस्थान ने निकाली स्वर्वेद यात्रा

JAMSHEDPUR: हिंदू नववर्ष पर सद्गुरु सदाफलदेव विहंगम योग संस्थान द्वारा रविवार को स्वर्वेद यात्रा निकाली गई। यह यात्रा बिष्टपर के 8, जुबिली रोड स्थित टाटा आश्रम से निकली और दोराबजी टाटा पार्क व जुस्को कार्यालय होते हुए मेन रोड से आश्रम लौटी। यात्रा के उपरांत एक कुंडीय विश्वशांति वैदिक महायज्ञ हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं नें आहुति अर्पित की। महाप्रसाद वितरण के साथ आयोजन का समापन हुआ। यात्रा में स्वर्वेद प्रचार रथ एवं बैंड-बाजा के साथ सैकड़ों अनुयायी हाथों में स्वर्वेद व अ अंकित श्वेत ध्वज लेकर

सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर संस्कार भारती ने मनाया हिंदू नववर्ष

साहित्य, रंगमंच एवं ललित कलाओं को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती, जमशेदपुर महानगर इकाई ने रविवार को हिंदू नववर्ष, वासंती नवरात्र, चैत्र प्रतिप्रदा संवत्सर-2082 श्रद्धापूर्वक मनाया।

सदस्यों ने स्वर्णरेखा व खरकई नदी के संगम सोनारी स्थित दोमुहानी तट पर प्रातः उदीयमान सूर्यदेव की पूजा-अर्चना की और सूर्य देव को सामृहिक रूप से अर्घ्य अर्पित किया। नदी घाट पर उपस्थित जनमानस के बीच का मिष्ठान्न-प्रसाद वितरित कर बधाई दी।

इस दौरान संस्था के प्रांत संरक्षक कन्हैया लाल अग्रवाल,



नाट्य विधा सहप्रमुख अनीता सिंह, कोल्हान विभाग प्रमुख विजय भूषण, कला विधा संयोजक मुदिता चंद्रा, कला धरोहर संयोजक डॉ. जूही समर्पिता, मंचीय कला संयोजक अरुणा झा, अभय सिंह, अरुण सज्जन, डॉ. पुष्पा कुमारी, सरिता सिंह, गोपाल अग्रवाल व महामंत्री अरुणा भूषण आदि

PHOTON NEWS SARAIKELA:

सरायकेला- खरसावां जिले के आमदा ओपी पुलिस ने नक्सली संगठन के नाम पर लेवी वसूलने वाले गिरोह का खुलासा किया है। एसपी मुकेश कुमार लुणायत द्वारा गठित एसआईटी ने पांच कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस गिरफ्त में आए अपराध कर्मियों में अविनाश हांसदा उर्फ जितेन हांसदा, धर्मेंद्र लागुरी उर्फ कलुआ डॉन उर्फ शत्रु उर्फ डीके भैया उर्फ. तमरिया, सुभाष दोराई उर्फ समाधान, अविनाश कुमार सिंहदेव उर्फ अंशु सिंहदेव और राजकुमार जोंको शामिल हैं। सभी पश्चिमी सिंहभम जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने उनके पास से एक देसी कड़ा और

प्रयुक्त मोबाइल फोन, धमकी देने के लिए प्रयुक्त भाकपा-माओवादी के पश्चिमी सब-जोनल कमेटी के नाम का लेटरहेड व पर्चा, 6 मोबाइल फोन, एक बाइक और एक सिम बरामद किया गया है। एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार सभी अपराधियों का पर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। ये पर्व में हत्या.

रंगदारी, मारपीट, आर्म्स एक्ट, सीएलए एक्ट जैसे गंभीर आरोपों में जेल जा चुके हैं। इस पुरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड अविनाश हांसदा उर्फ जितेन हांसदा है। इनकी नक्सिलयों के साथ मिलीभगत है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। इनके द्वारा पश्चिमी सिंहभूम जिले में भी इस तरह की घटनाओं को

सारंडा के जंगल से पांच-पांच किलो के दो आईईडी बरामद

पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा थाना अंतर्गत वनग्राम डिकुपोंगा व हथनाबेड़ा गांव के बीच सारंडा के जंगल में सुरक्षा बलों ने 5-5 किलो का दो आईईडी बरामद किया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से आईईडी को उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता ने नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार, पलिस भाकपा-माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंदु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने दस्ते को दबोचने के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही



है। अभियान के दौरान रविवार को सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों द्वारा पर्व में लगाए गए दो आईईडी मिले। पश्चिमी सिंहभम जिले के एसपी आशुतोष शेखर ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान जारी

सरहुल मिलन में दिखी संथाल व भूमिज संस्कृति की झलक कथा मंजरी में विपुला रचित आरएसएस के स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन एमबीएनएस के छात्रों

पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत एमजीएम थाना क्षेत्र के तुरियाबेड़ा (भिलाईपहाड़ी) गांव में रविवार को आदिवासी सरना क्लब ने बाः, बाहा व हादी सरहुल मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया। इसमें संथाल, भूमिज सहित अन्य आदिवासी समुदाय के बुद्धिजीवी भी शामिल हुए। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें संथाल और भूमिज संस्कृति की झलक एक साथ देखने को मिली। सभी समुदाय ने एक साथ एक मंच पर अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके साथ ही खेलकृद प्रतियोगिता भी हुई।

महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता में धालभूमगढ़ की दुमिनी मुर्मू ने प्रथम पुरस्कार के रूप में



साइकिल जीता, जबकि पुरुष वर्ग में देवघर गांव के सुंदर सोरेन ने मोबाइल फोन जीता। दोनों विजेताओं को विधायक मंगल कालिंदी ने पुरस्कार प्रदान किया। आदिवासी सरना क्लब के प्रमुख सुनील हेब्रम ने कहा कि इसका उद्देश्य आदिवासी समुदाय की संस्कृति और परंपराओं को प्रोत्साहित करना और उनके बीच एकता और सामाजिक समरसता

काव्य संग्रह विमोचित



JAMSHEDPUR: सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन द्वारा बिष्टुपुर स्थित संस्थान परिसर में रविवार को मासिक कथा मंजरी में नगर की कवयित्री आरती श्रीवास्तव विपुला द्वारा रचित विपुला की मुकरियाँ का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसी भवन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र मुनका ने की, जबिक संचालन साहित्य समिति के दिव्येंदु त्रिपाठी ने किया। सरस्वती वंदना पूनम महानंद व स्वागत वक्तव्य तुलसी भवन के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने दिया।



PHOTON NEWS CHAKRAD-HARPUR : वर्ष प्रतिपदा पर स्वयंसेवक (आरएसएस) के स्वयंसेवकों ने शहर में पथ संचलन का भव्य आयोजन किया। पथ संचलन भारत सेवाश्रम संघ परिसर से मारवाड़ी उच्च विद्यालय के मैदान में संपन्न हुआ। संचलन के दौरान स्वयंसेवकों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर कदम मिलाते हुए शक्ति और संगठन का प्रदर्शन किया। नगर के कई स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर संचलन का स्वागत

किया। इस अवसर पर, आरएसएस के स्थानीय पदाधिकारियों ने वर्ष प्रतिपदा के महत्व पर प्रकाश डाला और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ने और उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में प्रांत कार्यवाह

मोहन कच्छप भी उपस्थित थे।

PHOTON NEWS JSR

शिक्षकों ने की ट्रेकिंग



शिक्षा संस्थान ने रविवार को दलमा ट्रेकिंग का आयोजन किया, जिसमें संस्थान के 60 छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रकृति के करीब लाना और उन्हें टीम वर्क और साहसिक कौशल का अनभव कराना था। राजेश्वर वर्मा व अंकित सिंह ने छात्रों को दलमा की पहाड़ियों में ट्रेकिंग करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। सहायक प्रोफेसर दीपिका भारती. भवतरण भकत, मिली कुमारी व मधुसुधन महातो ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

बच्चों के साथ महिलाएं भी हुईं शामिल, जगह-जगह तैनात किए गए थे पुलिस के जवान

हिंदू नववर्ष पर निकली शोभायात्रा, जय श्री राम के उद्घोष से गूंजी रेलनगरी

CHAKRADHARPUR : चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर चक्रधरपुर में रविवार को धूमधाम से हिंदू नववर्ष शोभायात्रा हजारों की संख्या में लोग शोभायात्रा



हनुमान मंदिर में हुई महाआरती पोटका शिव मंदिर से निकल

कर शोभायात्रा हनुमान मंदिर, सोनुआ बस स्टैंड पहुंची। यहां संध्या बेला में महाआरती की गई। इसके बाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर शहर के वेभिन्न वार्ड, विभिन्न गली-मोहल्ले के लोग मौजूद थे। शोभायात्रा को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा गया।

रहे थे। इस दौरान युवाओं की टोली अपने-अपने गाड़ी में भगवा झंडा लगाकर चल रही थी। वहीं शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह

चाईबासा में निकली

विशाल महावीर झंडा यात्रा

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला के मुख्यालय चाईबासा में रविवार को हिंदू नववर्ष पर विशाल महावीर झंडा यात्रा निकाली गई। यह राजीव गांधी चौक, बिरसा चौक, शहीद पार्क से दुर्गा मंदिर तक पहुंची। हिंदू जागरण मंच चाईबासा के प्रमुख जय गिरी सहित काफी संख्या में महिलाएं भी इसमें शामिल हुई। जुलूस मार्ग में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार और मुफरिसल थाना प्रभारी रंजीत उरांव दल-बल के साथ मुस्तैद रहे।

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में विधायक सरयू राय ने की कलश स्थापना

गोलमुरी के केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में विधायक सरयू राय ने रविवार को नवरात्र का कलश स्थापित किया। मंदिर परिसर में ही बने मां रक्षक काली मंदिर में यह अनुष्ठान हुआ। ख्यातिनाम पं. विनोद पांडेय ने संकल्प और कलश स्थापना कराई। कलश स्थापना के बाद देवी पूजन हुआ। संध्या काल में दुर्गा सप्तशती और रामचरित मानस का पाठ हुआ। पूरे नवरात्र तक दुर्गा सप्तशती और रामचरित मानस का पाठ होता रहेगा। पाठ में आसपास के दर्जनों लोग शामिल हुए। दुर्गा सप्तशती और रामचरित मानस का पाठ पं. विनोद पांडेय, पं. श्याम मिश्रा, पं. अजय तिवारी व पं. राकेश ओझा



ने किया। सुबह के पूजन में जदयू के पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष अमृता मिश्रा, विधायक जनसुविधा समिति, जमशेदपुर पूर्वी के संयोजक सुधीर सिंह, साकेत गौतम, असीम पाठक, उदय मंडल, विवेक पांडेय आदि मौजूद रहे।

निकली। सुबह से ही विभिन्न संस्थाओं द्वारा अलग अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं शाम को हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में संपूर्ण हिंदू समाज की ओर से चक्रधरपुर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में लोगों ने भगवा झंडा लहराते हुए जय श्रीराम... जय बजरंग बली... का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़े।

में शामिल थे। इसमें डीजे के साथ

ढोल-ताशा सहित पारंपरिक बाजे

भी शामिल किए गए थे। रविवार की शाम चक्रधरपुर शहर के पोटका शिव मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा शुरू हुई, जो एनएच-75ई होते हुए हनुमान मंदिर, सोनुआ बस स्टैंड

भाजपा नेता अशोक षाड़ंगी, राजू प्रसाद कसेरा, संजय पासवान, सुरेश साव, संजय मिश्रा, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता समेत काफी

शामिल हुए थे। शोभायात्रा में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए थे। वहीं भगवा झंडा लेकर जय श्री राम का नारा लगाते हुए लोग चल

पुलिस बल की तैनाती की गई थी।













THE PHOTON NEWS www.thephotonnews.com

Monday, 31 March 2025

BRIEF NEWS

22 किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

RANCHI: राजधानी के रातू थाना पुलिस ने किराये के मकान में रहकर गांजा की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम गंगा सागर राय है। वह मूल रुप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। इसके पास से 22 किलो गांजा और दो मोबाईल फोन बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने रविवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रातू थाना क्षेत्र महाराजा तालाब शिवाला कॉलोनी के आस-पास चांदनी गुड़ू उर्फ हाजी गुड़ू अंसारी के घर में रह रहे किरायेदार के जरिये अवैध गांजा का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के बाद डीएसपी मुख्यालय टू अरविंद कुमार के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गढन किया गया। टीम ने उक्त स्थल पर पहुंचकर घेराबंदी की।

मंईयां सम्मान योजना के सहयोग से महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर : डीसी

RANCHI: रविवार को रामपुर आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति सभागार में मंईयां सम्मान से मंईयां स्वावलंबन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मख्य अतिथि के रूप में उपायक्त मंजनाथ भजंत्री शामिल हुए। उन्होंने कहा किं इस योजना के सहयोग से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना था। रांची जिले में मंईयां सम्मान योजना से संबंधित लगभग 20 हजार महिला समूहों के बीच बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं और दीदियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि का सदुपयोग करते हुए उन्होंने पशुपालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन और ड्रिप इरिगेशन के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाया है।

बकाया टैक्स भरने का निगम ने दिया अंतिम मौका, कल से लगेगी फाइन

RANCHI : वित्तीय वर्ष 2024-25 के होल्डिंग टैक्स के भुगतान का 31 मार्च अंतिम दिन है। रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत भवन मालिकों को 31 मार्च तक बकाया टैक्स नहीं जमा करने पर अगले वित्तीय वर्ष यानी 1 अप्रैल से अतिरिक्त जुमार्ना राशि के साथ टैक्स का भुगतान करना होगा। टैक्स के भुगतान हेतु सोमवार को रांची नगर निगम कार्यालय एवं डोरंडा अंचल कार्यालय के जन सुविधा केंद्र सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तंक संचालित रहेंगे। इसमें सभी करदाता अपने होल्डिंग टैक्स, जल कर, टेड लाइसेंस व वेस्ट युजर चार्ज का बकाया भुगतान कर सकते हैं।

अस्पताल में 5 महीने में 500 से अधिक हुई मोतियाबिंद की सर्जरी

अब हाईटेक बन गया सदर हॉस्पिटल का आई डिपार्टमेंट

झारखंड की राजधानी रांची का सदर अस्पताल अपने परफॉर्मेंस और सविधाओं के आधार पर एक के बाद एक कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यहां मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं का क्रमिक रूप से विस्तार हो रहा है। इस कड़ी में अब सदर के आई डिपार्टमेंट ने एक और उपलब्धि हासिल की है। 5 महीने में 500 से ज्यादा मोतियाबिंद सर्जरी डॉक्टरों ने की है। विभाग में अत्याधुनिक तकनीक और सुविधाओं का लाभ मरीजों को मिल रहा है। अस्पताल में मोतियाबिंद और अन्य नेत्र संबंधी ऑपरेशनों के लिए फेको विधि और एसआईसीएस विधि का उपयोग किया जा रहा है। यहीं वजह है कि ऑपरेशन की सफलता दर में वृद्धि हो

सप्ताह में तीन दिन ऑपरेशन

अस्पताल में सप्ताह में तीन दिन ऑपरेशन किए जाते हैं। ऑपरेशन के दिन 12 से 20 मरीजों का सफलतापर्वक ऑपरेशन किया जाता है। ऑपरेशन के बाद मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा भी प्रदान की जाती है। यहां पर मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए मरीजों को लगभग दो महीने का समय पहले से

लेटेस्ट फेको और एसआईसीएस विधि से किया गया मरीजों का ऑपरेशन

- सर्जरी के बाद रोगियों को पढान की जाती है लेंस प्रत्यारोपण की भी सुविधा
- हॉस्पिटल में टेरीजियम के साथ अन्य ऑपरेशन की सुविधाएं भी उपलब्ध
- जिन मरीजों को अस्पताल आने में होती है दिक्कत, उनके लिए वाहन सेवा मौजूद



स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम

नेत्र विभाग की टीम का नेतृत्व डॉ . प्रीतिश प्रणय के हाथों में है। उन्होंने नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता साबित की है। उनके कुशल मार्गदर्शन में टीम बेहतर सेवा मरीजों को प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। अस्पताल में जिला अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम और आयष्मान भारत योजना का भी लाभँ मरीजों को मिल रहा है। इससे मरीजों को मुफ्त इलाज

और अन्य सुविधा मिल रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को भी अब अस्पताल तक पहुंचने में कोई परेशानी नहीं हो रही है। जिन्हें सदर अस्पताल आने में दिक्कत होती है, वाहन सेवा भी उपलब्ध कराई जा रही है। यह सेवा आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदान की जा रही है, ताकि दूर-दराज से आए मरीजों को इलाज में कोई समस्या न हो।

आने वाले समय की योजनाएं नेत्र विभाग में आने वाले की सुविधाओं को और भी

समय में और भी नई सुविधा शुरू करने की योजना बनाई जा रही है,ताकि अधिक से अधिक मरीजों को फायदा हो सके। सदर अस्पताल के नेत्र विभाग में कार्यरत सभी चिकित्सक, नेत्र पदाधिकारी, नेत्र सहायक, नर्सिंग स्टाफ और अन्य सहयोगी कर्मी दिन-रात मेहनत करके अस्पताल

बेहतर बना रहे हैं। डिप्टी सुपरिंटेंडेंट डॉ. बिमलेश सिंह ने बताया कि हमारे यहां हाईटेक मशीन लगी है। किसी भी डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में ऐसी सुविधा नहीं है। नेत्र विभाग अब एक उत्कृष्ट मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है। यहां मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल रहा है।

ही मिल जाता है। अस्पताल में है। रांची जिले के सभी 14 प्रखंडों सदर अस्पताल के नेत्र विभाग में से मरीज आते हैं. जिनका इलाज किया जा रहा है। मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही

चैती दुर्गा मंदिर भुतहा तालाब में चैत्र नवरात्र शुरू, की गई मां की आराधना

PHOTON NEWS RANCHI:

रविवार को चैत्र नवरात्र का शुभारंभ राजधानी रांची के भुतहा तालाब स्थित चैती दुर्गा मंदिर में विधि-विधान से हुआ। मां चैती दुर्गा को समर्पित इस पर्व की शुरूआत कलश स्थापना से हुई। 1926 से चैती दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा इस पूजा का आयोजन किया जा रहा है। पूजा के पहले दिन मां भगवती के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई। मुख्य पुजारी सुभाष चंद्र मिश्रा ने बताया कि आज से विक्रम संवत 2082 का नृतन वर्ष प्रारंभ हुआ है और इस विशेष अवसर पर पजा विधि-विधान से की गई। चैती दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष शंकर दुबे ने जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष महासमिति का 100वां वर्ष पूरा हो रहा है।



इसे लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। पजा को भव्य रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। पूजा आयोजन में किशोर साह, लल्लू सिंह, शंकर दुबे, रमेश सिंह, गोपाल पारीक, नमन भारतीय, सौरभ राय, रोहित सिंह सहित अन्य सदस्यों का अहम योगदान है। पजा के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्य योगदान दे रहे है।

संगठन में समन्वय की थोड़ी चूक से बदल सकते हैं चुनावी परिणाम : प्रदेश कांग्रेस प्रभारी

RANCHI: रविवार को कांग्रेस के संगठन सुजन अभियान के तहत आयोजित शिविर मंथन का पांचवां दिन दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू ने बैठक के दौरान कहा कि आज के सत्र में आए सुझावों और सूचनाओं को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी 14 लोकसभा

क्षेत्रों से जो बातें आई हैं, वे विचारणीय हैं और इन्हें संगठन की मजबूती के रूप में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि चुनावों में संगठन स्तर पर समन्वय में थोडी भी चुक होती है तो परिणाम बदल सकते हैं। इसके लिए हमें पहले से ही तैयारी करनी होगी और चुनावी रणनीति को मजबूत करना होगा।

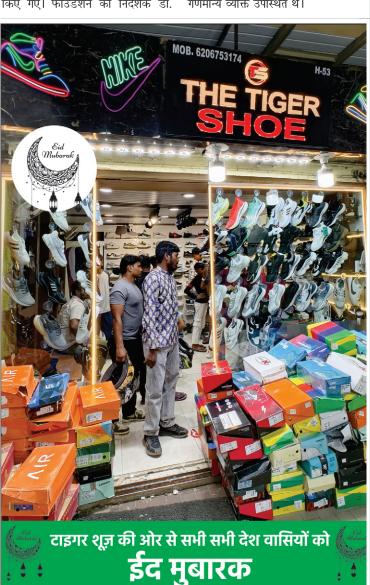


अनाथ बच्चों के लिए लगा फ्री आई चेकअप कैंप

RANCHI: रविवार को आदिम जनजाति सेवा मंडल द्वारा संचालित राजेंद्र आश्रम. निवारणपुर में रह रहे अनाथ बच्चों के लिए अक्षय सोना समाधान फाउंडेशन ने आंखों की निशल्क जांच के लिए कैंप का आयोजन किया। इस जांच में सहयोग श्रेष्ठ नेत्र चिकित्सालय ने किया। यहां बच्चों को कुछ सलाह डॉक्टरों ने दी। जांच के बाद बच्चों को टॉफी और बिस्किट वितरित किए गए। फाउंडेशन की निदेशक डॉ.



सनीता कमारी यादव ने कहा कि समय समय पर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच होती रहनी चाहिए। मौके पर शंकर यादव, डॉ. श्रीमाली सुमी, श्यामल जी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।







सिरमटोली फ्लाईओवर : आदिवासी समदाय ने जताया आक्रोश

RANCHI : रविवार को रांची के सिरमटोली सरना स्थल के पास पलाईओवर रैंप को लेकर आदिवासी समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसे देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। लोग फ्लाईओवर रैंप के परमानेंट समाधान की मांग कर रहे है, जबकि सरकार और प्रशासन से वार्ता के बाद रैंप को पीछे कर दिया गया है। वहीं सरना स्थल के मुख्य द्वार के पास भी व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया गया है। बता दें कि सुबह से ही सिरमटोली–मेकॉन फ्लाईओवर रैंप विवाद को लेकर इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके।

PERFECT LEATHERS

Shop No. - H-101, Sainik Market, Main Road, Ranchi-1

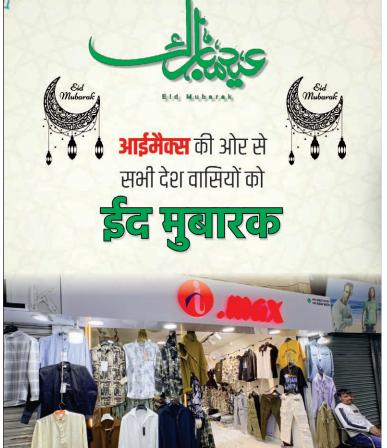


परफेक्ट लेदर की ओर से सभी देश वासियों को









पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा छोड़ दिल्ली गए कन्हैया कुमार



AGENCY ARARIA : पश्चिम चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से शुरू हुई कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की पलायन रोको,नौकरी दो पदयात्रा रविवार को अररिया पहुंची।बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर पदयात्रा में कन्हैया कुमार के साथ हजारों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए। पदयात्रा में शामिल कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए अररिया कॉलेज से काली मंदिर चौक तक पहुंचे और फिर वहां से चांदनी चौक के लिए काफिला निकला,लेकिन इसी बीच कन्हैया कुमार पदयात्रा को बीच में ही छोड़कर दिल्ली के लिए निकल गए।कन्हैया कमार अचानक पदयात्रा से निकलकर चले जाने को लेकर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन खान ने कहा कि राहुल गांधी का 7 अप्रैल को पटना में कार्यक्रम तय हुआ है।इसी को लेकर कन्हैया कुमार को फोन आया और उस कार्यक्रम को लेकर उन्हें दिल्ली बुलाया गया,जिसको लेकर वे पदयात्रा कार्यक्रम को बीच में ही छोड़कर कुमार के बाउंसर के साथ कार्यकताओं की झड़प को लेकर पदयात्रा को बैचेन छोड़े जाने को कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने सिरे से खारिज किया। दरअसल कन्हैया कुमार के पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा के दौरान कन्हैया कुमार के बाउंसर और स्थानीय कांग्रेसी कार्यकताओं के बीच झड़प भी हुई।एनएसयुआई राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार के साथ सेल्फी लेने और माला पहनाने की होड मची थी और बाउंसर बार बार कार्यकताओं को ऐसा करने से रोक दे रहे थे।इसी क्रम में स्थानीय एक कार्यकर्ता आफतानरहमान से बाउंसर की झडप हो गई।बाउंसर ने उक्त कांग्रेसी कार्यकर्ता को भीड से अलग कर सडक पर धक्का देकर गिरा दिया।जिसके बाद कन्हैया कुमार खुद बीच बचाव में उतर गए और अपने बाउंसरों को अलग हटाते हुए दोनों पक्षों को डांट डपटकर अलग किया।उसके थोड़ी देर बाद ही फोन आने के बाद कन्हैया कुमार पदयात्रा को बीच में छोड़कर निकल गए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में बिहार को कई योजनाओं की दी सौगात

पीएम के नेतृत्व में राजग सरकार बिहार में कर रही चहुंमुखी विकास : अमित शाह

गह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम में बिहार को कई योजनाओं की सौगात दी। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार बिहार में चहुं मुखी विकास कर रही है। उन्होंने मिथिलांचल के लोगों को सौगात देते हुए मखाना प्रोसेसिंग यूनिट का ऑनलाइन उद्घाटन किया।

केंद्रीय सहकारिया मंत्री अमित शाह ने कहा कि लालू और राबडी का जब-जब शासनकाल आया तब-तब बिहार में विनाश हुआ। उन्होंने कहा कि लालू जी ने अगर बिहार की जनता के लिए कछ अच्छा काम किया है तो हिसाब-किताब लेकर आइये और बताइये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं का नाम गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के लिए बहुत कुछ किया है। सहकारिता का सबसे ज्यादा फायदा बिहार को मिलने वाला है। लालू प्रसाद के समय सहकारिता चौपट हो गयी थी। इसको बर्बाद करने का श्रेय लालू



मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर किया प्रहार

इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि आज बिहार में बहुत अच्छे से काम हो रहा है। कभी कोई इतना नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि महिलाएं कितना अच्छे से काम कर रही हैं। पहले शाम होने से पहले कोई निकलता तक नहीं था। मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए कहा कि आज तक उन्होंने कोई कुछ किया है। शुरू से हमलोग काम करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2005 के पहले लोग शाम होने के बाद घर से निकलने से भी डरते थे। सड़कें भी नहीं थीं। यहां तक कि हिंदू-मुस्लिममें भी खूब झगड़े होते थे, लेकिन मैंने जो काम किया मैंने किया, आप लोगों ने नहीं। पहले क्या स्थिति थी। पहले स्वास्थ्य व्यवस्था की कैसी हालत थी? पहले स्वास्थ केंद्र में एक दिन में एक या दो मरीज आते थे। अस्पतालों में दवाई की व्यवस्था करवाई।

एंड लाल कंपनी ने किया और सहकारी समितियों को भी संबोधित किया।

अमित शाह ने कहा कि बिहार की बंद पड़ी चीनी मिल को चालू करने के लिए पूरी ऊर्जा लगा देंगे। बिहार लालू-राबड़ी चारा घोटाला को लेकर पूरे देश-दनिया में बदनाम हुआ। बीते 20 वर्षों से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग गठबंधन सरकार में बिहार ने विकास के नए आयाम गढ़े हैं। उन्होंने कहा कि जब-जब इनकी सरकार (लालू-राबड़ी) आई है तब तब विनाश

आया है। उन्होंने 2025 के चुनाव में राजग सरकार बनाने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने 4 विभागों की 823 करोड़ की

और उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार मौजूद थे। कार्यक्रम में 100 सहकारी समितियों को माइक्रो एटीएम भी बांटे गए। साथ

वर्ष प्रतिपदा पर आरएसएस ने किया पथ संचलन

ही गृहमंत्री ने मिथिलांचल के लोगों को सौगात देते हुए मखाना प्रोसेसिंग यूनिट का ऑनलाइन उद्घाटन किया। यहां से उन्होंने 7000 सहकारी समिति को संबोधित भी किया। इससे पहले अमित शाह का स्वागत मखाना

O BRIEF NEWS भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

दिल्ली के लिए निकल

ARARIA: फारबिसगंज नगर अध्यक्ष विरेंद्र प्रसाद मिंटू की अध्यक्षता एवं जिला मंत्री सह फारबिसगंज नगर कमिटी के प्रभारी चंद्रकला राय की उपस्थिति में भाजपा कार्यकर्ताओं ने वार्ड संख्या 19 के बुथ संख्या 153,154 पर रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का 120वां एपिसोड सुना। इस मन की बात में प्रधानमंत्री ने देशवासियों को सम्बोधन में जल संरक्षण, पैरा ओलम्पिक,नारी सशक्तिकरण, स्टार्टअप,युवाओं के लिए रोजगार पर चर्चा किए। सभी कार्यकर्त्ता ने मन की बात कार्यक्रम को सुना और उसे आत्मसात करने का निर्णय लिया।

पटना विवि छात्रसंघ चुनाव में अभाविप की मणालिनी बनीं अध्यक्ष

PATNA: पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के अध्यक्ष पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की मैथिली मृणालिनी अध्यक्ष चुनी गई हैं। उन्होंने नेशनल स्टूडेंट यूनियन आफ इंडिया (एनएसयुआई) के मनोरंजन को हराया। उपाध्यक्ष पद पर धीरज कुमार जीते हैं। वे निर्दलीय उम्मीदवार थे। संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष पद एनएसयूआई के खाते में गए हैं। रोहन कुमार संयुक्त सचिव और सौम्या श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष बनी हैं। महासचिव पद पर निर्दलीय सलोनी राज ने जीत हासिल की है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट दिए।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समिति ने किया महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का निरीक्षण

AGENCY EAST CHAM-PARAN: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली की समिति द्वारा विश्वविद्यालय के राजभाषा संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया गया। समिति में विनोद सिंह यादव, उप सचिव तथा डॉ.अंजू मोहन मल्होत्रा, अवर सचिव निरीक्षण समिति में शामिल थे। निरीक्षण कार्यान्वयन समिति की बैठक भी सम्पन्न हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजय श्रीवास्तव के संरक्षकत्व में आयोजित बैठक की

सच्चिदानंद सिंह ने की। बैठक में विशेष कार्य अधिकारी (वित्त) प्रो. विकास पारीक, परीक्षा नियंत्रक कृष्णकांत उपाध्याय, निदेशक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ प्रो.सनील कमार श्रीवास्तव, राजभाषा प्रकोष्ठ के डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव, राजभाषा प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. गरिमा तिवारी तथा हिन्दी अधिकारी श्रद्धा नंद पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति रही। निरीक्षण

समिति के सदस्यों के औपचारिक स्वागत के उपरान्त हिन्दी अधिकारी श्रद्धा नंद पांडेय द्वारा विश्वविद्यालय के राजभाषा संबंधी कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तृत किया गया। आयोग की निरीक्षण समिति के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की गयी तथा और अधिक कार्य हिन्दी में कैसे किये जा सकते हैं इस संदर्भ में सुझाव भी दिये गये।

नवादा में गेहूं के खेत में लगी भीषण आग फसल जलकर राख

ARARIA: नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड के विक्कू बीघा गांव में रविवार को गेहूं के खेत में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि गेहुं के खेत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन में फॉल्ट होने से चिंगारी निकली। इस चिंगारी स्वयंसेवक संघ के जिला प्रभारी से खेत में आग लग गई। पीड़ित डॉ अशोक कुमार ,प्रदीप कुमार, किसान लाख देव यादव, सुबोध कुमार , डॉक्टर आर पी कपिल यादव, कृष्ण यादव और साह के नेतृत्व में सैकड़ो की अजय यादव ने बताया कि आग संख्या में स्वयंसेवकों ने फल गली लगते ही उन्होंने थाना पुलिस अवस्थित अपने जिला कार्यालय और फायर ब्रिगेड को सूचना से बाजे गाजे के साथ पथ संचलन दी। इस बीच ग्रामीणों और किया। पथ संचलन के बाद नवादा परिवार के लोगों ने टयबवेल से के गांधी इंटर स्कल के मैदान में पानी निकालकर आग बुझाने बौद्धिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय

पोस्टमार्टम रिपोर्ट दबाने वाले डॉक्टर

AGENCY NAWADA : वर्ष प्रतिपदा पर रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नवादा नगर के विभिन्न सड़कों पर पथ संचलन कर आम नागरिकों को नव वर्ष की शुभकामना देते हुए भारत के उज्जवल भविष्य के लिए राष्ट्रीयता की भावना जगाने का आह्वान किया है। राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ के विचारकों ने वर्तमान परिदृश्य में भारत की चुनौतियों तथा राष्ट्रीय भावना के महत्व पर चर्चा करते हुए एक-एक नागरिकों को सनातन की रक्षा के लिए आगे आने का हवन किया है ।नवादा के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर अरविंद कुमार के आवास पर संक्षिप्त बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।जिसमें भारत जगा कर नए भारत के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया। इधर कौआकोल में हिन्दू नव वर्ष

वासियों को राष्ट्रीय भावना को

विक्रम संवत 2082 के प्रवेश के अवसर पर प्रखण्ड के स्वंयसेवकों ने पथ संचलन किया। इस दरम्यान स्वंयसेवकों ने ड्रेस कोड में कौआकोल एवं रानीबाजार का

गिरजा सरस्वती शिशु मंदिर कौआकोल से निकाले गए पथ संचलन के माध्यम से स्वयंसेवकों ने हिन्दू नववर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दरम्यान लोगों ने वन्दे मातरम,भारत माता की जय,नव वर्ष मंगलमय हो आदि उदघोषों के साथ बाजार का

रामनवमी रथयात्रा को लेकर समिति सदस्यों के साथ एसडीपीओ ने की बैठक

फारबिसगंज में आगामी 5 अप्रैल को निकलने वाले रामनवमी रथ यात्रा को लेकर रविवार को एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने आयोजन कमिटी के सदस्यों के साथ अपने कार्यालय में बैठक की।जिसमें रथयात्रा को लेकर रूट, अखाड़ा के साथ विधि व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार साहा ने आयोजन समिति को गानों के सेलेक्शन के साथ साथ रुट के बारे विस्तत जानकारी ली।फारबिसगंज में होनेवाली रामनवमी रथ यात्रा को लेकर समिति के सदस्यों ने एसडीपीओ को ज्ञापन भी सौंपा।वही आयोजक समिति के



सदस्यों ने बताया कि 05 अप्रैल को होनेवाली रथयात्रा को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी से मिलकर कार्यक्रम में विधि व्यवस्था,रुट चार्ट,रथ यात्रा के दौरान बजने वाले गानों आदि पर चर्चा किया गया।इस मौके पर लाइसेंस धारी बाबा मथुरा दास,मनोज सोनी,भवेश कश्यप, दिलखुश, प्रेम केशरी, डिंपल चौधरी, अंशु कन्नौजिया, आयुष कालू आदि मौजूद थे।

पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार जिले में हत्या के मामले में

पोस्टमार्टम रिपोर्ट एक सप्ताह बाद भी पुलिस जांच अधिकारी को नहीं देना सदर अस्पताल के एक डॉक्टर पर भारी पड़ने वाला है। पुलिस किसी भी समय डॉक्टर को गिरफ्तार कर सकती है।इसको लेकर कोटवा थाना पुलिस ने कोर्ट में वारंट के लिए निवेदन कर दिया है। जानकारी के अनुसार मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर कोटवा थानाध्यक्ष सह आईओ राजरूप राय ने कोर्ट में वारंट के लिए अपील की है। वारंट मिलते ही डॉक्टर हारून रशीद को गिरफ्तार किया

जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोटवा



थाना क्षेत्र के राजपुर मटिया में बीते 14 मार्च को धारदार हथियार से गला रेतकर एक युवक की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजने के बाद हत्या मामले में पीड़ित परिवार को समुचित न्याय दिलाने के लिए आईओ ने डॉक्टर से पोस्टमार्टम

साहब आइओ को लगातार गच्चा देते रहे।लिहाजा कोटवा थाना पुलिस ने वरीय पदाधिकारी एवं अस्पताल प्रशासन से अनुमति लेने के बाद डॉक्टर पर कोटवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर दिया, जिसके बाद डाक्टर पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी है।

राष्ट्रीय स्वयसेवक सघ न मनाया हिंदू नववर्ष प्रतिपदा का उत्सव

विक्रम संवत 2082 की

शुरूआत होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नया बाजार स्थित काली मंदिर परिसर में रविवार को नववर्ष प्रतिपदा उत्सव धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया इस अवसर पर सामूहिक गीत, अमृत वचन, सुभाषित, एकल गीत के पश्चात जिला सेवा प्रमुख डा मुरारी द्वारा बौद्धिक दिया गया। उन्होंने कहा कि सृष्टिकाल के आरंभ से ही हिन्दु नववर्ष उत्सव मनाया जा रहा है। प्रकृति हमें बताती है सब कुछ नया है।पेड़ की पुरानी पत्ते को त्याग कर नव पल्लव नव अंकुर के साथ पुष्पित पल्लवित



होता है।हमारे ऋषि मुनियों ने वैदिक रीति-रिवाज वैज्ञानिक अनसंधान में सत्य का अन्वेषण किया जिसे आज नासा भी सही मान रहे है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा इसे वर्ष प्रतिपदा के रूप में मनाने हेतु इसे छह उत्सव में शामिल किया गया है।आज के दिन स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश मे आद्य सरसंघचालक प्रणाम कर श्रद्धा निवेदित करते है। उन्होंने कहा कि प्रकृति ही धरा है। पृथ्वी हमारी माता है।

गाजे-बाजे, डीजे, दर्जनों घोड़े और आकर्षक झांकियों के साथ श्रद्धालुओं ने किया नगर भ्रमण

चैत्र नवरात्र को लेकर भागलपुर में निकाली गई कलश शोभायात्रा

जिले में सुल्तानगंज प्रखंड के महेशी पंचायत के मोतीचक गांव स्थित चैत्र नवरात्र को लेकर रविवार को अजगैबीनाथ गंगा तट से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश शोभायात्रा बाजे-गाजे, डीजे, दर्जनों घोड़े और आकर्षक झांकियों के साथ नगर भ्रमण करते हुए गंगा तट पहुंची। जिसके बाद विद्वान पंडित पुरोहितों ने नियम निष्ठा के साथ कलश में गंगा जल भरवाया। कलश शोभायात्रा में लगभग दस हजार महिलाएं और युवतियां माथे पर कलश लिए शामिल हुई। शोभायात्रा गंगा तट से निकलकर सुल्तानगंज मुख्य

चौक, दिलगौरी चौक, अब्जूगंज,



अजगैबीनाथ गंगा तट से कलश शोमायात्रा में शामिल महिलाएं

नवादा, कोलगामा होते हुए महेशी, मोतीचक दुर्गा मंदिर परिसर पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान मां के जयकारों से पुरा माहौल भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु ने बताया मोतीचक गांव स्थित दुर्गा मंदिर प्रत्येक वर्ष चैत्र नवरात्र के मौके मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित

की जाती है। इसके पूर्व गंगा तट हर वर्ष कलश शोभायात्रा निकाली जाती है। जिसके बाद कलश स्थापित कर नवरात्र के नौ दिनों

तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरुपों की पुजा अर्चना होती है। इस दुर्गा मंदिर से हजारों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। यही कारण है कि नवमी और दसवीं पूजा में भव्य ग्रामीण मेला का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में हर्षोल्लास का माहौल है। उधर सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ गंगा तट पर रविवार अहले सुबह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। बिहार झारखंड सहित अन्य प्रदेशों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने सुल्तानगंज के पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। जिसके बाद जल पात्र में गंगाजल भरकर अपने घर को ले गए।

छट घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त

AGENCY NALANDA : नालंदा जिलान्तर्गत औंकार धाम छठ घाट का रविवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक नालंदा द्वारा विधी व्यवस्था संधारण के लिए फ्लैग मार्च किया गया एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दण्डाधिकारी प्रतिनियुक्त किये गयें है। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि हिलसा अनुमंडल अंतर्गत एकंगरसराय प्रखंड में औंगारीधाम छठ घाट स्थित है।

विदित हो कि चार एवं 5 अप्रैल 2025 को चैती छठ पूजा के अवसर पर सूर्य मंदिर औंगारी धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकट्टी होती है। इस अवसर पर शांति व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था संधारण हेतु जिला प्रशासन द्वारा पूर्णतः निगरानी की जा रही है।

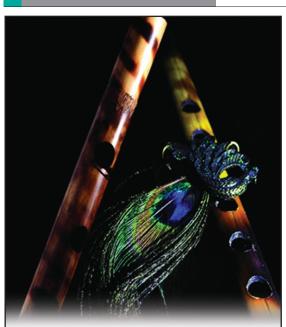


जिलाधिकारी ने निगरानी के क्रम में संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लाइटिंग के साथ साथ साफ-पेयजल, रूम,अस्थाई शौचालय, नियंत्रण कक्ष, श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की व्यवस्था एम्बुलेंस फायर उपलब्धता, एनडीआरफ वोट, गोताखोर की व्यवस्था के अलावा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है।

फायरिंग करते वीडियो वायरल, युवक गिरफ्तार



EAST CHAMPARAN : जिले के आदापुर थाना क्षेत्र में एक युवक का देशी कट्टा से फायरिंग करते हुए वीडियो वायरल हो रहा था,जिसको लेकर एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित करवाई करते हुए उक्त युवक की पहचान करते हुए उसे गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया युवक आदापुर थाना के अररा गांव निवासी रामाश्रय पासवान के पुत्र आकाश कुमार है। पुलिस इसके पास से एक देशी कट्टा , 02 जिंदा कारतुस और 01 सैमसंग मोबाइल फोन बरामद किया है। उल्लेखनीय है कि आकाश का एक कट्टे से फायरिंग करता हुआ वीडियो सोशल मीडिया में कई दिनों से वायरल हो रहा था।



...तो घर में जरूर रखें बांस्री

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय हैं। बांसूरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमॉल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशूई के अनुसार, बांसूरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशूई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उटाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो

जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे

प्रसन्न होंकर गणेश जी सारे काम

निर्विंध्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति

और पजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ

स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में

जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी

अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा

करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में

दुर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है

और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को

दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती

हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर

उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश

दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर

अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-

अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे

शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता

में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक

है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों

और 21 पेडों के पत्तों को अर्पित करने पर

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे

जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों

को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है।

की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण

वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति

किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के

तुलसी के पौधे को कभी भी

दक्षिण में न लगाएं

सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना

अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो

दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं।

घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज

देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को

खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा

श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना

जरूरी होती है। यदि घर का मालिक

सुबह उटकर श्रीगणेशजी का ध्यान

कर पूजा–अर्चना करता है तो घर के

वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को

कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे

जीवन में अशुभता आने लगती है।

तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर

में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि

दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी

घर की सफाई रात को करना भी

वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की

कहते हैं कि शाम को जो धूल

में लगाना उचित रहता है।

पुराने कपडे नहीं पहनें।

कृपा होती है।

गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों

वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।

बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के

लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा

🕨 वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के

दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और

सम्पन्नता का होना जरूरी है और

उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

नाम आइए जानते हैं।

पहले करते हैं।

कर सकेंगे।

सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की

- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसूरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अत: उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले



सूर्यास्त के बाद झाडू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल गृहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूटा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूढे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूटें बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कँचरा नहीं फैला होनाँ चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य कहीं भी थुक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूढ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ–सुथरा

बाथरूम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।



पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान



इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र। ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र। ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र। ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र। ओम लम्बोदराय नमः बेरे का पत्र। ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र। ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र। ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र। ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र। ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र। ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र। ओम चतुर्हींत्रे नमः तेज पत्र।

ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र। ओम विकटाय नमः कनेर पत्र। ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र। ओम विनायकायनमः आक पत्र। ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र। ओम वटवे नमः देवरारू पत्र। ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र। ओम सुराग्रजाय नमः गाँधारी पत्र। ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है। धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है। परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्तिं बंनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में

प्रवेश नहीं कर पाती है।



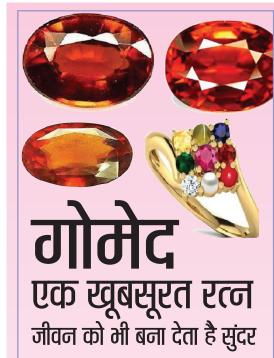
सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रात : काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैटकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत

असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।

- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें। यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ
- टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।



ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यौ द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लंड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक

चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद

मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह

रत्न शनि की होरा में

शुक्ल पक्ष के किसी भी

अतिशुभ माना गया है।

यदि शनिवार के दिन

शनिवार को पहनना

शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नम- मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न– जिस व्यक्ति की कंडली में राहु ५वें, ८वें ५वें ११वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहराँ प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिर्जोरी रखना और घर में गंदगी इकट्टी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बिल्क आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए। जकल तलाक के बढ़ते

जिंभल तलाक के बढ़त मामलों ने समाज में एक

अर्बन प्लानिंग के लिए टोस पयास आवश्यक

पांच ट्रिलियन (लाख करोड़) डॉलर की इकोनामी बनने की भारत की अभिलाषा में स्थायी और समावेशी शहरी विकास की आकांक्षा एक अपरिहार्य तत्व है। यह आकांक्षा तीव्र शहरीकरण, पर्यावरण परिवर्तन और सामाजिक असमानता से तत्काल निपटने से संबंधित है। इन जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए देश को कुशल प्लानरों और ऐसे पेशेवरों की जरूरत है, जो पर्यावरण अनकल, सभी को समान अवसर देने वाले और सशक्त शहरी वातावरण को सार्थक दिशा देने की क्षमता के धनी हों। भारत में प्लानिंग एजकेशन पर फिर से विचार किया जाना चाहिए। शहरी विकास के परिदृश्य को नए नजरिये से देखना आवश्यक हो गया है। इसके साथ ही प्लानिंग एजकेशन का रूपांतरण भी जरूरी है। अब हमें प्लानिंग के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक आयामों के व्यापक परिदृश्य वाला दृष्टिकोण अपनाना होगा। इस दिशा में परिणाम आधारित शिक्षा की पहल उपयोगी होगी। इसके अंतर्गत पाठ्यक्रम कुछ इस तरह निर्धारित करना होगा कि वह रोजगार बाजार की तेजी से बढ़ती मांग के अनुरूप हो। उससे ऐसे स्नातक निकलें, जो केवल सैद्धांतिक ज्ञान से ही लैस न हों, बल्कि उनके पास तकनीकी, विश्लेषणात्मक और संवाद के ऐसे कौशल हों, जो वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से जुझ सकें। इसके साथ ही उनमें नीतियों के विश्लेषण की क्षमता हो और वे सामाजिक समानता और आर्थिक विकास की बारीकियों को समझते हों। प्लानिंग एजुकेशन को समाजशास्त्र, आर्थिकी, पर्यावरण विज्ञान और तकनीक के इस्तेमाल जैसे विषयों की समझ और उन्हें समग्र रूप से अपनाने का पहलू पाठ्यक्रम में शामिल होना चाहिए। शहरी प्रबंधन, शहरी वित्त, परियोजना विकास, नीति नियोजन तथा विश्लेषण जैसे विषय आधिनक शहरी परिदृश्य की जटिलताओं से निपटने के लिए बेहद आवश्यक हैं। संस्थानों को अस्थायी शिक्षकों के बजाय प्रतिबद्ध और पर्णकालिक शिक्षकों में निवेश करना चाहिए। पर्यावरण परिवर्तन, समस्याओं से निपटने के लिए शहरों की क्षमता निर्माण जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत पारिस्थितिकी विशेषज्ञता की जरूरत है। इस दिशा में इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर्स जैसे नियामकीय निकाय यह सुनिश्चित करते हैं कि प्लानिंग का काम संकीर्ण रियल एस्टेट हितों के बजाय व्यापक जनहित को प्राथमिकता दे। इसमें सभी पक्षों के साथ समन्वय के लिए आवश्यक है कि प्लानरों के पास मजबूत प्रबंधकीय कौशल हो, जिसमें विवादों का समाधान, बातचीत, मध्यस्थता और पैरवी शामिल है। नियोजन संबंधी ज्ञान में वैज्ञानिक नजरिया, नैतिकता और सौंदर्यबोध भी जरूरी है। प्लानरों को नवाचारी और समुदायों के सांस्कृतिक तथा सामाजिक ताने-बाने के प्रति भी संवेदनशील होना चाहिए। प्लानिंग के काम में सामाजिक न्याय का महत्व समझने के लिए मेडिकल शिक्षा एक अच्छा उदाहरण है। हम डाक्टरों को इस तरह तैयार करते हैं कि वे लोगों के जीवन की रक्षा करने की महती जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकें। उनकी शिक्षा और प्रशिक्षण में लगभग दस साल लगते हैं। इसके बाद ही वे स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए तैयार होते हैं। दुसरी ओर अर्बन प्लानर हैं, जिन पर पूरे समुदाय के सुगम एवं सुखद जीवन का जिम्मा होता है। क्या उन्हें तैयार करने के लिए केवल दो साल काफी हैं। मेडिकल शिक्षा की तरह अर्बन प्लानिंग को भी मात्र एक डिग्री तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें प्लानरों को लगातार सीखने की प्रक्रिया से गुजारना होगा। अर्बन प्लानिंग में विशेषज्ञता के कोर्स होने चाहिए। इसी से हमारे प्लानर नवाचार और टिकाऊ शहरी विकास की अग्रणी पंक्ति में रहेंगे। शहरी नियोजन के इस नए युग में जोर तकनीकी विशेषज्ञता पर होना चाहिए। निर्णय लेने की प्रभावशाली प्रक्रिया और समन्वय के लिए साफ्ट स्किल्स का विकास जरूरी है। इसमें संवाद का महत्व बढ जाता है। कांटैक्ट मैनेजमेंट और खरीद के मामलों में इसकी अधिक जरूरत होती है। अर्बन प्लानिंग को गंभीर और समर्पित पेशे के रूप में स्थापित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों. पेशेवर समूहों और प्रैक्टिशनर्स सभी की ओर से ठोस प्रयास आवश्यक हैं। निरंतर सीखने की संस्कृति, विशेषज्ञता और जरूरी साफ्ट स्किल के साथ प्लानिंग एजुकेशन ऐसे पेशेवर तैयार कर सकती है, जो शहरी विकास की बहुआयामी चनौतियों का सामना कर सकें। शहरी नियोजन के प्रति ऐसा दृष्टिकोण न केवल आज की जरूरतों की पर्ति के लिए है, बल्कि यह भविष्य के हमारे शहरों को तैयार करने में भी मदद करेगा। गुणवत्तापरक जीवन, पर्यावरण अनुकूलता और आर्थिक विकास के त्रिआयामी लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर फैसले और कार्य में उचित संतलन और सटीकता चाहिए। शहरी नियोजकों को शासन. वित्त, योजना, नवाचार, तकनीक में महारत हासिल करनी होती है। हमारे प्लानर सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा से प्रेरणा ले सकते हैं। सरस्वती ज्ञान की देवी हैं, लक्ष्मी समृद्धि की और दुर्गा शक्ति की। हमें शहरी नियोजन में इन्हीं तीन गुणों का समावेश करना होगा। भारत के भविष्य निर्माण के लिए शहरी प्रबंधन शिक्षा एक महत्वपर्ण निवेश है। हमारे पास एक बेहतर भारत की कल्पना और रूपरेखा है। बस अपने पेशेवरों को शहरी प्रबंधन के कौशल से निपुण बनाना है। तभी शहरी भारत 2.0 की भव्यता पूर्ण रूप से प्रकट होगी और हम भविष्य के शहरों को पुनर्परिभाषित कर सकेंगे।

तलाक की भेंट चढ़ते 'तेरे-मेरे सपने'

ANALYSIS



तलाक कोई हल नहीं है, बल्कि यह आखिरी विकल्प होना चाहिए। रिश्ते को मजबूत और खुशहाल बनाने के लिए आपसी सम्मान, संवाद, धैर्य और प्रेम जरूरी हैं। यदि पति-पत्नी एक दूसरे को समझने की कोशिश करें और रिश्ते में संतुलन बनाए रखें तो तलाक की दर को कम किया जा सकता है। प्रेम विवाह में तलाक की दर अधिक होने का कारण गलत अपेक्षाएं, कम सहनशीलता, पारिवारिक समर्थन की कमी और संवाद की कमी है। लेकिन, सही समझदारी और परिपक्वता से इसे रोका जा सकता है। शादी सिर्फ प्यार से नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और आपसी सहयोग से सफल होती है। आज के दौर में प्रेम विवाह का प्रचलन तेजी से बढा है, लेकिन इसके साथ ही तलाक की दर भी बढ़ती जा रही है। जहां प्रेम विवाह को प्रेम, स्वतंत्रता और आपसी समझ का पतीक माना जाता था वहीं तलाक के बढते मामलों ने इस धारणा पर सवाल खंडे कर दिए हैं। शादी सिर्फ दो लोगों का साथ नहीं, बल्कि उनके सपनों, उम्मीदों और भावनाओं का एक संगम होती है। जब दो लोग प्रेम विवाह करते हैं, तो वे भविष्य के कई सुनहरे सपने बुनते हैं। साथ मिलकर जीने के, खुशियां बांटने के और एक खुबसूरत सफर तय करने के। लेकिन, जब यह सफर तलाक की कगार पर पहुंचता है, तो सबसे पहले कुचले जाते हैं- 'तेरे-मेरे सपने'।

नई चिंता को जन्म दिया है। चाहे अरेंज मैरिज हो या प्रेम विवाह, रिश्तों में दूरियां बढ़ने से वैवाहिक जीवन अस्थिर होता जा रहा है। तलाक सिर्फ दो लोगों को ही नहीं, बल्कि उनके परिवार, बच्चों और समाज को भी प्रभावित करता है। इसलिए इसे रोकने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने जरूरी हैं। तलाक कोई हल नहीं है, बल्कि यह आखिरी विकल्प होना चाहिए। रिश्ते को मजबूत और खुशहाल बनाने के लिए आपसी सम्मान, संवाद, धैर्य और प्रेम जरूरी हैं। यदि पति-पत्नी एक दूसरे को समझने की कोशिश करें और रिश्ते में संतुलन बनाए रखें, तो तलाक की दर को कम किया जा सकता है। प्रेम विवाह में तलाक की दर अधिक होने का कारण गलत अपेक्षाएं, कम सहनशीलता, पारिवारिक समर्थन की कमी और संवाद की कमी है। लेकिन, सही समझदारी और परिपक्वता से इसे रोका जा सकता है। शादी सिर्फ प्यार से नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और आपसी सहयोग से सफल होती है। आज के दौर में प्रेम विवाह का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही तलाक की दर भी बढ़ती जा रही है। जहां प्रेम विवाह को प्रेम, स्वतंत्रता और आपसी समझ का प्रतीक माना जाता था, वहीं तलाक के बढ़ते मामलों ने इस धारणा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शादी सिर्फ दो लोगों का साथ नहीं, बल्कि उनके सपनों, उम्मीदों और भावनाओं का एक संगम होती है। जब दो लोग प्रेम विवाह करते हैं, तो वे भविष्य के कई सुनहरे सपने बुनते हैं। साथ मिलकर जीने के, खुशियां बांटने

तलाक की कगार पर पहुंचता है, तो सबसे पहले कुचले जाते हैं-'तेरे-मेरे सपने'। शादी से पहले जो जोश, उत्साह और अपनापन होता है, वह धीरे-धीरे कई कारणों से फीका पड़ने लगता है। छोटी-छोटी गलतफहमियां, अहंकार की दीवारें और बदलती प्राथमिकताएं उन सपनों को मिटाने लगती हैं. जिन्हें कभी दोनों ने मिलकर संजोया था। शादी से पहले एक दूसरे के लिए जो सपने देखे जाते हैं, वे हकीकत की जिम्मेदारियों के बोझ तले दबने लगते हैं। जब सपनों की दिशा अलग-अलग हो जाती है, तो रिश्ते कमजोर पड़ने लगते हैं। प्रेम संबंध में अक्सर लोग अपने साथी को एक आदर्श रूप में देखते हैं, लेकिन शादी के बाद जब वास्तविकता सामने आती है, तो असंतोष उत्पन्न हो सकता है। एक सफल विवाह के लिए संवाद बहुत जरूरी होता है। यदि जीवनसाथी एक दूसरे की

बातों को समझने और सुनने में

असमर्थ होते हैं, तो रिश्ते में दरार

आ सकती है। कई बार शादी के

बाद आर्थिक दबाव और

जिम्मेदारियों को निभाने में

कठिनाइयां आने लगती हैं, जिससे मतभेद बढ़ सकते हैं। प्रेम विवाह में कई बार परिवार और समाज का विरोध झेलना पड़ता है। यदि दंपती मानसिक रूप से मजबूत नहीं होते, तो यह तनाव उनके रिश्ते को प्रभावित कर सकता है। यदि किसी एक साथी का व्यवहार संदेहास्पद होता है या अविश्वास उत्पन्न होने लगता है, तो यह तलाक का कारण बन सकता है। शादी के बाद जब दोनों व्यक्तियों की प्राथमिकताएं बदलने लगती हैं और यदि उनकी सोच मेल नहीं खाती, तो रिश्ते में तनाव आ सकता है। आधनिक समय में करियर को प्राथमिकता देने से वैवाहिक जीवन पर असर पड़ सकता है। कई बार साथी एक दुसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करने लगते हैं. जिससे मतभेद बढ़ते हैं। आत्मसम्मान और अहंकार की लड़ाई शुरू हो जाती है। कौन ज्यादा सही है, यह सवाल रिश्ते को भीतर से खोखला करने लगता है और सपने टूटने लगते हैं। केवल प्रेम ही नहीं, बल्कि समान विचारधारा, पारिवारिक पृष्ठभूमि, करियर लक्ष्य

और जीवनशैली को ध्यान में रखकर जीवनसाथी का चुनाव करें। हर समस्या पर खुलकर बात करें और अपने साथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। शादी से पहले और बाद में एक दूसरे से व्यावहारिक अपेक्षाएं रखें और उन्हें पूरा करने का प्रयास करें। किसी भी रिश्ते की नींव विश्वास होती है। अपने साथी के प्रति निष्ठावान रहें और पारदर्शिता बनाए रखें। हर रिश्ते में उतार-चढाव आते हैं। किसी भी समस्या का समाधान जल्दबाजी में न निकालें, बल्कि धैर्यपूर्वक विचार करें। कभी-कभी परिवार और करीबी दोस्तों से सलाह लेना भी रिश्ते को मजबत करने में मदद कर सकता है। यदि रिश्ते में समस्याएं बढ़ रही हैं, तो विवाह विशेषज्ञ या काउंसलर से मार्गदर्शन लेना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। शादी के बाद भी एक दूसरे के सपनों को समझें और उन्हें साथ मिलकर पूरा करने का प्रयास करें। हर छोटी-बड़ी बात पर चर्चा करें, अपने साथी की भावनाओं को समझें और अपनी बात को सही तरीके से

सामने रखें। शादी के बाद जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सपनों का त्याग कर दिया जाए। एक दुसरे को सहयोग दें, ताकि व्यक्तिगत इच्छाएं पूरी हो सकें। जब रिश्ते में अहंकार आ जाता है, तो प्रेम कम होने लगता है। इसलिए हर स्थिति में प्रेम को प्राथमिकता दें। अगर लगने लगे कि रिश्ता बोझ बन रहा है, तो कछ समय साथ बिताएं, घमने जाएं, पुरानी यादों को ताजा करें और रिश्ते को नए सिरे से शुरू करने की कोशिश करें। प्रेम विवाह में तलाक की बढ़ती दर चिंताजनक है, लेकिन इसे रोका जा सकता है यदि दंपती आपसी समझ, विश्वास और धैर्य बनाए रखें। शादी सिर्फ प्रेम पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें सम्मान, जिम्मेदारी और परिपक्वता का होना भी जरूरी रूरी है। सही सोच और व्यवहार अपनाकर प्रेम विवाह को सफल और खुशहाल बनाया जा सकता है। तलाक सिर्फ कानूनी अलगाव नहीं होता, यह उन सपनों की मौत भी होती है, जो कभी दो लोगों ने मिलकर देखे थे। रिश्तों को बचाने के लिए जरूरी है कि प्रेम, विश्वास और समझदारी को बनाए रखा जाए, क्योंकि अगर 'तेरे-मेरे सपने' बिखर गए, तो सिर्फ दो दिल नहीं टटेंगे, बल्कि दो जिंदगियां भी अधुरी रह जाएंगी। प्रेम विवाह में तलाक की दर अधिक होने का कारण गलत अपेक्षाएं, कम सहनशीलता, पारिवारिक समर्थन की कमी और संवाद की कमी है। लेकिन, सही समझदारी और परिपक्वता से इसे रोका जा सकता है। शादी सिर्फ प्यार से नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और आपसी सहयोग से सफल

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

सुनीता विलियम्स : साहस से छू लिया आसमान

हौसलों की उड़ान तो आसमान से कह दो कि और ऊंचा हो जाए। ये पंक्तियां निश्चित ही ऐसा आभास कराती हैं कि यह असंभव जैसी बात है. क्योंकि आसमान में उडने वाली बात किसी ऐसे सपने जैसी ही लगती है, जो पूरा हो ही नहीं सकता। लेकिन, व्यक्ति के पास साहस और धैर्य हो तो वह असंभव लगने वाले लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकता है। भारतीय मल की बेटी सनीता विलियम्स ने ऐसा ही एक कीर्तिमान करके दिखाया है। सुनीता ने अपने साहस और धैर्य से आसमान को छने को साहसी कार्य किया है। यह एक ऐसा कीर्तिमान है, जो भविष्य के लिए एक मील का पत्थर है। यह अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक दिशा बोध बनेगा। आज अंतरिक्ष विज्ञान जगत के लिए सुनीता विलियम्स एक ऐसा नाम है, जिसके साथ विज्ञान को देने के लिए बहुत कुछ है। जिनकी गाथा कहते-कहते लोगों के मुंह थक जाएंगे, पर गाथा खत्म नहीं होगी। सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर सहित चार अंतरिक्ष यात्री जब धरती पर लौटे तो अमेरिका में खुशी का वातावरण था, तो भारत में भी असीमित उल्लास था। सनीता विलियम्स भारतीय मल की हैं. इसलिए यह पूरे विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि उन्होंने भारत का भी मान बढ़ाया है। सुनीता विलियम्स केवल नौ दिन के लिए अंतरिक्ष की सैर पर गई थीं, लेकिन यह क्या मालम था कि यह नौ दिन की यात्रा नौ माह और चौदह दिन की हो जाएगी। जाहिर है यात्रा सरल नहीं थी, क्योंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण का अभाव रहता है। हालांकि सुनीता विलियम्स की यह तीसरी अंतरिक्ष यात्रा थी। हम जानते हैं कि धरती से वायुमंडल की परिधि समाप्त होने के बाद अंतरिक्ष की दुनिया प्रारंभ होती है। अंतरिक्ष के बारे में कहते हैं कि मानव आकृति अधर में ही लटकी रहती है। अगर कोई यात्री अंतरिक्ष यान में भी गया है, तो भी उसे आधार नहीं मिलता। ऐसा लगता है

के और एक खूबसूरत सफर तय

करने के। लेकिन, जब यह सफर

में चल-फिर नहीं सकते। बस तैरते से रहते हैं। ऐसी स्थिति में अंतरिक्ष में जाना निश्चित ही अत्यंत दुष्कर कार्य है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स और उनके साथ गए बुच विल्मोर ने जिस साहस का परिचय दिया, वह वास्तव में काबिले तारीफ है। लेकिन, एक बात यह भी है कि अंतरिक्ष में जाना किसी चुनौती से कम नहीं है। वहां का जीवन पृथ्वी से बहुत भिन्न है। अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद चारों अंतरिक्ष यात्रियों का यान जब भटक गया था, तब उनके मन में भी कई तरह के सवाल उठे होंगे, क्योंकि ऐसी स्थिति में यह पता नहीं होता कि वे धरती पर लौटेंगे भी या नहीं या अंतरिक्ष में कब तक यूं ही घूमते रहेंगे, इसका भी पता नहीं, लेकिन एक जिजीविषा थी, जो उन सबको जीने का उल्लास दे रही थी। कहते हैं कि जिसके मन में जीने का उत्साह हो तो समस्याएं सरल होती चली जाती हैं। चारों अंतरिक्ष यात्री पूरे मन से अपने मिशन पर थे। जब तक वे अंतरिक्ष में थे, कुछ न कुछ करते रहे। यानी शोध के कार्य में

इतने व्यस्त हो गए कि उनको पता ही न चला कि उनके जीवन में कोई समस्या है। अमेरिका के फ्लोरिडा के तट पर समुद्र में जब अंतरिक्ष यान उतरा, उस समय का दृश्य सबने देखा। कितना अद्भृत, कितना चमत्कार करने वाला दृश्य था। हर कोई इस अविश्वसनीय घटना के बारे सुनकर आश्चर्यचिकत ही था। जिन्होंने इस दृश्य को अपनी आंखों से देखा, वह ऐसी घटना दोबारा देख पाएंगे या नहीं, यकीनी तौर पर नहीं कहा जा सकता। यह घटना कोई सामान्य नहीं थी। जो अंतरिक्ष यात्री साढे नौ महीने हवा में तैर कर जीवन बिता रहे थे, उनके उनका जीवन वास्तव में बदल चुका था। धरती पर जीने के तरीके अलग हैं, यहां गुरुत्वाकर्षण बल के कारण सभी कार्य आसान हैं। यह आसान इसलिए भी है, क्योंकि यह एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बन जाती हैं। अंतरिक्ष का जीवन अलग है। वहां सभी वस्तुएं हवा में तैरती रहती हैं। खाने की वस्त को भी हवा में तैरते हुए ही खाया जा सकता है। वहां नींद लेने के लिए

खुद को बेल्ट से बांधनी होती है। कर रहे हैं। चूंकि सुनीता विलियम्स अगर ऐसा नहीं करते तो तैरते हुए सोना बहुत ही मश्किल काम है। यहां तक कि प्यास बुझाने के लिए अपनी पेशाब और पसीने को शुद्ध करके पीने योग्य बनाया जाता है और वहीं पीने के काम आता है। शुन्य गुरुत्वाकर्षण की अवस्था शरीर पर कई प्रकार के प्रभाव उपस्थित करती हैं। इससे शरीर का संतुलन धरती पर रहने जैसा नहीं होता। रक्त संचरण भी सामान्य नहीं होता। इतना होने के बाद भी इन चार अंतरिक्ष यात्रियों ने साहसिक यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा किया। नासा ने इस अभियान को बखुबी अंजाम दिया। वर्तमान में अंतरिक्ष विज्ञान को शोध के अनेक विषय देने का काम किया है। भारत भी इस मामले में किसी भी दृष्टि से पीछे नहीं है। भारत ने जिस प्रकार से अपने चंद्रयान अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया, वह सारी दुनिया को अचरज में डालने जैसा ही है। इसलिए भारतीय वैज्ञानिक भी अंतरिक्ष के लिए एक उपलब्धि को पाने जैसा ही कार्य

भी भारतीय मूल की हैं, इसलिए नासा की इस उपलब्धि को भारतीय प्रतिभा का कायल माना जा रहा है। आज का अमेरिका बिना भारतीय प्रतिभा के आगे नहीं बढ़ सकता। ऐसा अमेरिका के कई क्षेत्रों में साबित हो रहा है। सुनीता विलियम्स के जीवन और उनके कार्य में भारतीय संस्कार विद्यमान हैं। इससे पर्व अंतरिक्ष में जाते समय वे अपने साथ भागवत गीता ले गई थीं और इस बार भगवान गणेश की प्रतिमा साथ लेकर गईं। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर सहित चार सहयोगियों ने वहां साढ़े नौ महीने जो शोध किया, वह अंतरिक्ष विज्ञानियों के लिए ऐतिहासिक दस्तावेज है। आने वाले समय में विज्ञान जगत इनसे बहुत कुछ सीखेगा, यह तय है। अंतरिक्ष में जाने का यह मामला पहला नहीं है, लेकिन इतनी लंबी अवधि तक अंतरिक्ष में रहने का यह चनिंदा मामला है। इसलिए इसे औरों से अलग किस्म के रूप में

${\sf S}$ ocial Media ${\sf Corner}$

सच के हक में

राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि होने के साथ जब नीतियों और निर्णयों में देशवासियों का हित सबसे बड़ा होता है, तो सर्वत्र उसका प्रभाव भी नजर आता है। राष्ट्रीय 📗 🥽 स्वयंसेवक संघ अन्त : दृष्टि और बाह्य दृष्टि, दोनों के लिए काम कर रहा है। बाह्य दृष्टि के रूप में हम माधव



नेत्रालय को देखते हैं और अंत : दृष्टि ने संघ को सेवा का पर्याय बना दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है। ये अक्षय वट आज भारतीय संस्कृति और हमारी राष्ट्रीय चेतना को निरंतर ऊजार्वान बना रहा है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

महात्मा गांधी, पेरियार, श्री नारायण गुरु और उन सभी लोगों को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि, जिन्होंने वैकोम सत्याग्रह के दौरान जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता को निडरता से चुनौती देते हुए अडिग होकर काम किया। आइए हम उनके दूरदर्शी आदर्शों के प्रति अपनी



प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करें और उनके द्वारा समर्थित सिद्धांतों को बनाए रखने का प्रयास करें – एक सच्चे न्यायपूर्ण, समतामूलक और समावेशी समाज का निर्माण करने के लिए।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

आर्थिकी का केंद्र बने आधी आबादी

श्व बैंक की हाल में आई रिपोर्ट बिकमिंग ए हाई इनकम इकोनमी इन ए जेनरेशन बताती है कि 2047 तक भारत को उच्च आय वाला देश बनने के लिए औसतन 7.8 प्रतिशत की दर से विकास करना होगा। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वित्तीय क्षेत्र के साथ-साथ भूमि और श्रम सुधार भी करने होंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2000 से अब तक भारतीय आर्थिकी लगभग चार गुना बढ़ी है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पादन करीब तीन गुना हो गया है। इसी दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 2000 में 1.6 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 3.4 प्रतिशत हो गई है। विश्व बैंक की रिपोर्ट इस पहलू पर जोर देती है कि 2047 तक भारत को महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर को 35.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करके जनसंख्यिकीय लाभ उठाना चाहिए। पिछले छह वर्षों में महिला रोजगार से संबंधित आंकड़े आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, बेरोजगारी दर में कमी, कार्यबल में शिक्षित महिलाओं की बढ़ती संख्या और आय में लगातार वृद्धि की ओर इशारा करते हैं। दुनिया भर के आंकड़े यह बता रहे हैं कि महिलाओं द्वारा संचालित उद्यम निरंतर बढ़ रहे हैं और महिलाएं घरेलू आय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आर्थिक

विकास को गति देने में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम

आकार के उद्यम (एमएसएमई) वैश्विक अर्थव्यवस्था के केंद्र में हैं। इंटरनेशनल फाइनेंस कारपोरेशन के मताबिक एमएसएमई वैश्विक अर्थव्यवस्था में 90 प्रतिशत से अधिक व्यवसायों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो 70 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार देते हैं। भारत की जीडीपी में एमएसएमई का योगदान वित्त वर्ष 2017-18 में 29.7 प्रतिशत था, जो 2022-23 में बढ़कर 30.01 प्रतिशत हो गया। पुरुषों के एकाधिकार वाले उद्यमों में भी महिलाओं ने अपनी जगह बनाई है। इसका प्रमाण यह है कि सात मार्च 2025 तक कुल एमएसएमई पंजीकरण में जहां पुरुषों का प्रतिशत 59.52 था, वहीं महिलाओं का 40.10 प्रतिशत। ये आंकड़े मिसाल हैं कि महिलाएं आर्थिकी का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने के लिए तत्पर हैं। देश में लगभग 15 प्रतिशत यूनिकार्न स्टार्टअप की संस्थापक कम से कम एक महिला है। महिलाओं के नेतृत्व वाले इन यूनिकार्न का संयुक्त मूल्य 4000 करोड़ रुपये से अधिक है। विश्व बैंक के शोध पत्र फोस्टरिंग फीमेल ग्रोथ आंत्रप्रेन्योरशिप इन रूरल इंडिया के अनुसार, महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को बढ़ावा देने से ग्रामीण भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर और आर्थिक विकास को काफी बढ़ावा मिल सकता है। उसके अनुसार, अगर इस क्षेत्र में प्रयासों में तीव्रता लाई जाए तो 2030 तक महिलाओं के स्वामित्व वाले 3.95 करोड़ उद्यम

हो सकते हैं। बैन एंड कंपनी और गगल की एक संयुक्त रिपोर्ट- वुमन आंत्रप्रेन्योरशिप इन इंडिया-पावरिंग द इकोनमी विद हर के अनुसार भारत में महिला उद्यमी 2030 तक 15-17 करोड़ नौकरियां पैदा कर सकती हैं, जो पूरी कामकाजी आबादी के लिए जरूरी नई नौकरियों के 24 प्रतिशत से अधिक हैं। भारत के आर्थिक विकास में ग्रामीण आर्थिकी वह आधार स्तंभ है, जिसकी मजबूती से विकसित भारत की संकल्पना साकार हो सकती है। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, ग्रामीण महिलाओं में स्वरोजगार वाले श्रमिकों/ नियोक्ताओं की हिस्सेदारी 2017-18 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 31.02 प्रतिशत हो गई है, जो स्वतंत्र कार्य और उद्यमिता की ओर महत्वपूर्ण कदम है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि ग्रामीण महिलाओं में स्वरोजगार उन सभी क्षेत्रों में हुआ है, जहां सरकारी सहायता प्रमुख रही है। राष्ट्रीय स्तर पर 15 मंत्रालयों के तहत 70 केंद्रीय योजनाएं उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं। इसके अतिरिक्त सरकार ने महिला श्रमिकों की रोजगार क्षमता में सुधार लाने में योगदान देने वाली विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू किया है, जिसमें सबसे आशाजनक है प्रधानमंत्री कौशल भारत योजना। लगभग नौ करोड़ महिलाएं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समृहों से जुड़ी हुई हैं।

हास्य पर चाबुक

हास्य कलाकार (कॉमेडियन) कृणाल कामरा का महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई व्यंग्यात्मक टिप्पणी के बाद जिस तरह की हिंसक प्रतिक्रिया देखी गई, वह सिर्फ बढ़ती अहिष्णुता का ही संकेत नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि राजनीतिक वर्चस्व दिखाने के लिए असहिष्णुता का दायरा पुलिस केस से आगे बढ़कर तोड़-फोड़ और खुली धमिकयों तक पहुंच सकता है। कामरा ने एक हिंदी फिल्मी गाने की पैरोडी करते हुए इसमें गद्दार शब्द का इस्तेमाल किया और इसमें बिना नाम लिए राजनीतिक उत्थान पाने वाले किसी राजनेता को निशाना बनाया। इससे शिवसेना के सदस्य और शिंदे के समर्थक भड़क उठे। बदले की कार्रवाई के तहत एक अजीबोगरीब प्रतिक्रिया के तौर पर भीड़ के एक जत्थे ने हैबिटैट पर हमला किया। हैबिटैट वही स्टूडियो है, जहां कामरा ने यह कार्यक्रम किया था। यानी कलाकार के बजाय आयोजन स्थल को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की गई। मुंबई पुलिस ने कामरा पर भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया, जिसमें शत्रुता फैलाने, सार्वजनिक उपद्रव करने और मानहानि के आरोप शामिल हैं। हालांकि यह स्थापित नियम है कि मानहानि का मामला सिर्फ पीड़ित पक्ष ही दर्ज कर सकता है, न कि पुलिस। यह शक्ति के दुरुपयोग का खुल्लमखुला उदाहरण है कि बृहनमुंबई नगरपालिका (बीएमसी) ने अचानक आयोजन स्थल के बाहर अनिधकृत संरचनाएं खोज निकालीं और उन्हें ध्वस्त कर दिया। साथ ही आगे की अनियमितताओं की भी जांच शुरू कर दी है। कामरा के खिलाफ दर्ज एफआईआर उन कानुनों का खुल्लमखुला दुरुपयोग है, जो भड़काऊ भाषणों के लिए बनाए गए हैं। साथ ही यह बताती है कि अगर व्यंग्य किसी राजनेता की गतिविधियों पर हो, तो उसे अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है। पार्टी बदलने के बाद किसी राजनेता को गद्दार या दलबदलू कहना कोई नई बात नहीं है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The shifting lakshman rekha of fear

As the Supreme Court throws out an FIR against Congress MP Imran Pratapgarhi, filed in January by the Jamnagar police over an Urdu poem which the Gujarat High Court had subsequently refused to quash — and Kunal Kamra refuses to apologise for his comments on his social media show, the top-of-mind question this week is, How far has the lakshman rekha of fear been internalised by India that is Bharat? Each of us manage our own lakshman rekhas, of course, and shift them up and down depending on how the season turns out. Supreme Court justices Abhay Oka and Ujjal Bhuyan kept it simple....75 years into our Republic, we cannot be seen to be so shaky on our fundamentals that mere recital of a poem or for that matter, any form of art or entertainment, such as stand-up comedy, can be alleged to lead to animosity or hatred amongst different communities. Subscribing to such a view would stifle all legitimate expressions of view in the public domain which is so fundamental to a free society," they said, weighing in on the Pratapgarhi mattr.On Friday, the Delhi High Court also set aside the Centre's order cancelling the OCI card of Swedish citizen, noted academic and Modi critic Ashok Swain — he wanted to visit the country to meet his ailing mother and couldn't. It's not clear what happens now because the court has allowed the Centre to issue a fresh show-cause notice to Swain.By day-end, Friday, even the Madras High Court had delivered its own thumbs up, by giving Kamra the anticipatory bail he had sought that morning. The bail was in anticipation of the Mumbai FIR against the word "gaddar" or "traitor" that Kamra had used for Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shinde without naming him. Not that Kamra has apologised for his impudence. Unlike Ranveer Allahbadia and Samay Raina barely a month ago, whose tasteless mother-father jokes had nevertheless left a "kya yaar" feeling in India's mouth, Kamra said, "I don't fear this mob and I will not be hiding under my bed, waiting for this to die down.'

So, the question at the tail end of this week: Is freedom of speech and expression in danger of breaking out of its stifling confines? Is something turning in the heart of the Republic, symbolised by both Pratapgarhi and Kamra waving identical redand-black copies of the Constitution, as if to remind the nation that Articles 19 and 21 continue to empower them and could you, too?

Question is, could the lakshman rekha of fear be shifting again? Fact is, because he now lives in Tamil Nadu, Kamra, at least for the moment, is safe. MK Stalin's DMK government will protect him, although it won't defy the courts, all the while politically challenging the BJP.Perhaps, Bhagwant Mann's Punjab could have been in the same sweet spot. The chief minister started off public life as a brilliant comedian, learning fast from the 'Laughter Challenge' stand-up show his "Pushpa" jokes remain the stuff of political folklore — and implementing those life lessons in the Lok Sabha. He remains extremely shrewd and still has the capacity to deliver an impeccablytimed punch, except, sometimes, it seems as if the sand is slipping from his fingers. Fact is, Punjab is far too debt-ridden, far too addicted to both buprenorphine or plain heroin, far too dependent on the distorted fortunes of its agricultural patterns as well as its Canada diaspora, and therefore, far too fallen on the table of grace for the rest of the country to take it seriously. For the moment, Tamil Nadu, with its unfunny socio-economic parameters that are the envy of the country, wins. As for whether "life begins where fear ends," a gratuitous Osho proverb at the end of the Kamra episode after which all hell broke loose earlier this week, life seems to have quickly moved on since the Supreme Court's Friday free speech rap. In Parliament at least, the newest debate was on the 14th-century Rajput king Rana Sanga's credentials, with a Samajwadi MP calling him a "traitor" for allegedly inviting Babur into the country to defeat Ibrahim Lodi.

Authoritarianism is Turkey's biggest economic risk

Turkey is not yet a failed democracy, but it is dangerously close to becoming one.

TWELVE years ago, I published a commentary that asked: "Why is Turkey rebelling?" Demonstrators had flooded the streets of Istanbul to protect Gezi Park from being turned into a shopping mall. Today, they are back, not for trees or green spaces, but in response to the culmination of years of lawlessness and creeping authoritarianism. Then, as now, the protests reflect a deep, mounting frustration with the steady dismantling of Turkey's democratic institutions.

Last week, Istanbul Mayor Ekrem Imamoglu — who has twice defeated the ruling Justice and Development Party (AKP) in local elections — was arrested on the day he was expected to announce his candidacy in the 2028

presidential race. The charges against him, including bribery and abuse of office, have been denounced as politically motivated. Imamoglu is widely seen as President Recep Tayyip Erdogan's most credible challenger and opposition leaders argue that his sudden arrest is no coincidence. The public responded with outrage. Protests erupted across the country. For many of the millions who have joined the demonstrations, this is no longer about one man or one court decision. It is about a political system that has lost its legitimacy. The question now echoing across Turkey is whether the country's authoritarian slide has finally reached the point of no return. For those who remember the 2013 Gezi protests, the imagery is familiar: teargas in the streets, chants in city squares, police surrounding courthouses and universities. This time, however, the economy is central to the unrest. In 2013, Turkey was still considered an emerging economic success story.

Growth was strong, inflation hovered around 6 per cent, and the lira was stable. The AKP government, still riding the credibility of early-2000s International Monetary Fund-supported reforms, commanded respect from markets and foreign investors. But that rosy picture has unravelled. In 2025, growth is lower and inflation remains at double-digit levels, despite the central bank's recent return to the orthodox monetary policy. While some of the foreign capital that was lost through many years of economic mismanagement began to trickle back last year, Imamoglu's arrest has shattered investor confidence again. The lira has plunged and Turkey's risk premium spiked. Like in 2013, the deeper message of the ongoing protests is clear: economic performance is inseparable from institutional health. You can have good technocrats at the central bank and finance ministry, but if the judiciary is politicised, the media muzzled and academic institutions under siege, those "adults in the room" are not enough. Foreign and domestic investors alike price the political risk as economic risk, driving up the cost of capital. Competitive elections and competent technocrats alone do not sustain a democracy. Institutions do. And when the rule of law is eroded, dissent is silenced and universities and media outlets lose their independence, the economy, too, will falter.Imamoglu's imprisonment may be the last straw for Turks who understand this link between institutions and economic stability. More than just a popular mayor, Imamoglu, is a national symbol of political pluralism and



democratic possibility. His sweeping victories in Istanbul reflected a broad-based desire for change and his removal now signals that Erdogan's regime is unwilling to let that change happen through democratic means. What makes this moment even more significant than Gezi is the scale and diversity of the resistance. While the 2013 protests were largely driven by secular, urban youth, today's marches span social, generational and ideological divides. Students, unionised workers, small business owners, conservative youth, liberals, the elderly and Kurds are marching together under the unifying chant: "Hak, hukuk, adalet" ("Rights, law, justice"). Their cause goes far beyond Imamoglu. They are protesting the deliberate misuse of state institutions to criminalise dissent and entrench economic inequality. When justice is politicised, dissenters become traitors and those aligned with the regime thrive while

independent voices are punished and marginalised. Issues like femicide, educational disparities, youth disenfranchisement remain unaddressed because public resources have been diverted towards rewriting history and rewarding loyalists. This should concern not only Turkish citizens, but also its allies, especially in the US. In fact, the parallels with President Donald Trump's administration are hard to ignore. Unlike many European democracies, whose leaders condemned Imamoglu's imprisonment, the US response to the erosion of democratic institutions in a NATO member state of 85 million people has been muted. Worse, patterns familiar to those who have lived in Turkey during the last decade

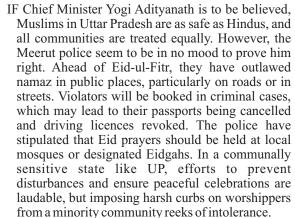
are emerging within the US. The Trump administration has repeatedly targeted knowledge institutions, especially universities. Because college-educated voters often lean toward the opposition (Democrats), academia has become a scapegoat. Attacks on academic freedom, rejection of science and promotion of conspiracy theories are all part of the institutional rot that Turkey has witnessed since 2013.

Whether it's denying the well-documented link between interest rates and inflation (as Erdogan has done) or dismissing climate science, rewriting the history of January 6 and spreading misinformation about Covid-19 (as Trump has done), assaults on truth are essential to authoritarian rule. Universities are not just centres of learning; they are guardians of public reason, without which democracy breaks down.

Turkey is not yet a failed democracy, but it is dangerously close to becoming one. Whether it returns to the path of institutional reform or continues its descent into authoritarianism will depend on the choices made in the days ahead. The international community particularly the US — should pay close attention, not only because of Turkey's geopolitical importance but also because the struggle unfolding in its streets between students and security forces mirrors a global battle between democracy and its enemies. Democracies rarely die suddenly. Their demise is the culmination of a process featuring political prosecutions, the imprisonment or disqualification of opponents, criminalisation of protest, seizure of control over universities and the silence of those who know better. To paraphrase Dylan Thomas, Turks are showing that they will not go gently into that authoritarian night.

Curbs on Eid prayers

Parents, institutions pushing students too hard



The controversial order has been slammed by none other than a BJP ally in the NDA government. Union minister and Rashtriya Lok Dal chief Jayant Singh posted on X: "Policing towards Orwellian 1984!" It's apparent that the police have been given carte



blanche by their political bosses to use high-handed methods and ride roughshod over the constitutional right to freedom of religion. Religious processions of various communities invariably disrupt traffic in India. This is considered par for the course. Why should Eid prayers be singled out? Last year, a Delhi cop was caught on camera kicking people who were offering namaz on the road outside a crowded mosque. Meerut cops have employed a subtler method harassment and intimidation — to deal with worshippers. Maintenance of law and order as well as communal harmony is merely a fig leaf to hide deep-rooted prejudices. Just a month ago, Yogi had lavished praise on the state police for their role in the successful conduct of the Maha Kumbh. Now, he needs to reassure Muslims that their Eid would not be marred by overzealous policing. It's time for the

CM to walk the talk on liberty and equality in UP.

Yashwant Varma and the cost of public trust

The collegium's actions should reflect a commitment to the due process, ensuring that individuals are not sacrificed to satisfy public clamour.

Justice Yashwant Varma's predicament echoes the agnipariksha faced by Sita in the Ramayana. However, another historical parallel exists — the Salem Witch Trials. Both analogies highlight the dangers of public judgment. While Sita's ordeal emphasised the sacrifice of personal dignity for public trust, the Salem trials caution against unchecked suspicion and mob justice. In Varma's case, the judiciary must tread carefully, ensuring justice without succumbing to public hysteria. After Ravan's defeat, Sita was joyfully reunited with Ram.

Yet, doubts about her purity lingered in Ayodhya. Ram, bound by his duty as king, demanded that Sita prove her chastity. To uphold public trust, Sita walked through fire. Though the flames left her unscathed, her vindication was not enough. Ram, pressured by public perception, banished her to the forest. Sita's exile was not a consequence of guilt but a sacrifice to maintain the legitimacy of the throne. Sita's departure was not a retreat but a rejection of a society that had doubted her. Even after her sons Luv and Kush restored her honour by reciting the Ramayana to Ram, Sita chose to return to the earth rather than reclaim her place as queen. Her departure preserved the institution's dignity, though it came at the cost of personal justice.

In 1692, Salem, Massachusetts, witnessed a series of trials driven by fear and paranoia. Accusations of witchcraft spiralled out of control, leading to the execution of innocent people. The Salem Witch Trials serve as a grim reminder of how unchecked suspicion and public hysteria can lead to irreversible damage. The trials were a miscarriage of justice where perception, not evidence, dictated outcomes. The trials show the dangers of allowing public sentiment to overwhelm the due process.

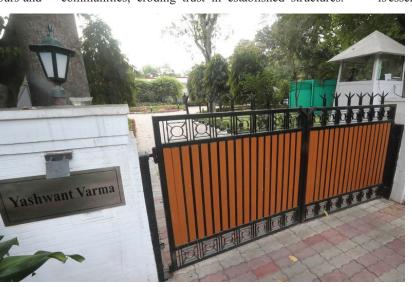
In Yashwant Varma's case, these historical lessons resonate deeply. His situation mirrors Sita's in its demand for public validation. It also carries echoes of Salem, where perception risks overshadowing truth. The judiciary must walk a fine line between addressing

public concerns and safeguarding against a witchhunt.Justice Varma now finds himself in a similar crucible. A fire in the storeroom of his government bungalow led to the discovery of burnt currency notes. Allegations, though unproven, have cast a long shadow over his reputation. Each day brings new rumours and

despite the absence of concrete evidence, public suspicion grows. Even if Varma is ultimately cleared, his future may remain tarnished.Like Sita, he faces scrutiny not just for his actions but also to preserve the sanctity of the institution he serves. His innocence may not be enough to restore public trust. The judiciary, like Ayodhya, must be seen as beyond reproach. However, the Salem analogy serves as a warning that unchecked allegations can erode the principles of justice.

In this climate of intense scrutiny, the SC's collegium faces its own test. The collegium, tasked with judicial appointments and oversight, operates under growing pressure for transparency. In an era where media trials can shape public perception, the collegium's commitment to openness is commendable. However, transparency must be balanced with caution. Rushing to judgment, as in Salem, risks damaging both individuals and

institutions. The collegium's inquiry into Varma's case reflects its desire to uphold judicial integrity. But it must resist the impulse to sacrifice fairness for expediency. Public trust is essential, but it should not come at the cost of due process. The collegium's actions should demonstrate a commitment to measured responses, ensuring that justice prevails without yielding to public frenzy. It is essential to remember that the actions of one judge should not tarnish the entire judiciary. Institutions are larger than the individuals who serve them. The judiciary's strength lies in its resilience and ability to self-correct. While Varma's case demands scrutiny, it should not undermine confidence in the judiciary as a whole.Public perception often conflates individual failings with institutional flaws. The Salem Witch Trials demonstrated how hysteria can engulf entire communities, eroding trust in established structures.



Similarly, in Varma's case, it is crucial to distinguish between individual inquiry and collective integrity. The judiciary's credibility should not hinge on the outcome of one investigation. Sita's banishment was an unjust consequence of a necessary act. Varma, too, may find that exoneration, if it comes, will not restore his standing. Public perception, once tainted, rarely resets. Even if the inquiry absolves him, Varma's continued presence may be seen as a blemish on the institution. In such cases, institutions often prioritise stability over fairness to individuals. However, the judiciary must learn

from Salem. The presumption of innocence remains a cornerstone of justice. Rushing to remove Varma to appease public opinion may weaken, not strengthen, institutional integrity. A balanced approach — one that respects due process while addressing public concerns

> Sita's departure was not an admission of guilt. It was a statement that her truth did not need validation from a society that had doubted her. Varma may face a similar fate. Even if he clears his name, his continued presence may be a reminder of the controversy. Like Sita, he may choose, or be compelled, to walk away. His departure, if it happens, would not signal failure but a commitment to preserving the judiciary's sanctity.

> However, Varma's departure should not be framed as a necessary sacrifice. The judiciary must resist the temptation to appease public opinion at the cost of justice. The lesson from Salem is clear sacrificing individuals to preserve institutional image can backfire, undermining the very trust it seeks to

The judiciary stands at a crossroads. It must balance the need for transparency with the virtues of restraint. The collegium's actions

should reflect a commitment to due process, ensuring that individuals are not sacrificed to satisfy public clamour. The lessons of Sita's agnipariksha and the Salem Witch Trials converge here. Justice must be seen, but it must also be just. Varma's case is not just about one judge. It is about the future of public trust in the judiciary. A hasty decision, driven by perception rather than fact, risks undermining the very principles the judiciary seeks to uphold. The collegium's measured approach can ensure that justice prevails, safeguarding both individual dignity and institutional integrity.

Got Married? Here's How To Update Your Aadhaar Surname— Steps & **Documents Inside**

New Delhi. The last trading session on FY25 saw Dalal Street ending in red as Sensex and Nifty closed lower on Friday, with auto and IT stocks leading the decline. Investor sentiment was impacted by concerns over new US tariffs, which weighed on

The S&P BSE Sensex fell by 191.51 points to close at 77,414.92, while the NSE Nifty50 dropped 72.60 points to end at 23,519.35.Vinod Nair, Head of Research at Geojit Financial Services, said that Asian markets are going through a phase of consolidation as the latest US trade measures are expected to afct major manufacturing economies.

Additionally, a rise in Japan's Consumer Price Index (CPI) has added to market weakness. Domestically, the market's upward movement has slowed as investors assess the impact of these tariffs on auto, ancillary, pharma, and other sectors. New Delhi: The Aadhaar Card is a 12-digit unique identification number issued by the Government of India. It is essential for various services, such as opening a bank account, investing in government schemes, and accessing welfare programs. The Unique Identification Authority of India (UIDAI) is responsible for issuing Aadhaar numbers to citizens.

The Aadhaar Card serves as an important proof of identity, so it's essential to keep it updated with accurate information. Many people don't know that they can update details like their marital status, mobile number, address, and even their Aadhaar photo. You can do this easily by visiting the official UIDAI website or your nearest Aadhaar Enrollment Centre.ollow these simple steps to update your surname after marriage:

Visit the UIDAI Portal – Go to UIDAI's official selfservice update portal and enter your Aadhaar number.Enter Your Details – Provide your updated name and surname.Upload Documents – Scan and upload self-attested supporting documents.

Verify with OTP - An OTP will be sent to your registered mobile number. Confirm & Submit – Enter the OP and apply for the name change.

You can soon nominate four persons in your bank account; change in locker rule too

Kolkata. So far you could nominate only one person in your bank account. But soon you will be able to nominate up to four persons. The legislative changes required for it has gone past 1the approval stage of both the upper and lower house of Parliament. The passage of the Banking Laws (Amendment) Bill in the Lok Sabha and Rajya Sabha will allow depositors successive or simultaneous nomination facility, while locker holders can have only successive nominations, reports said. Allowing multiple nominees in an account and locker will offer depositors more flexibility and a fuss-free asset transfer process, experts have told the media. Union finance minister Nirmala Sitharaman said account holders will shortly have the flexibility to choose between "successive" and "simultaneous" nomination. But for those who take bank lockers on rent, successive nominations will only be permitted so that there are no disputes. New nomination for lockers

Obviously the nomination facility will kick in once the account holder has expired. The nominee will act as a custodian to make transfer of funds smooth to the legal heirs. The process nominee is the legal heir (and especially the only one). While the multiple nomination facility will be a benefit by itself, it is also expected to address a macro problem which the economic policymakers are grappling with unsuccessfully for many years now.

At the end of FY24, the amount of unclaimed deposits in banks reached Rs 78,213 crore — a big 26% jump from the FY23 figure of Rs 62,225 crore. One of the reasons of unclaimed deposits is that often nominees mentioned in bank records are hard to find, while some have moved abroad or to other cities and don't have the time or inclination to visit a bank to claim the funds. By allowing multiple nominees, the chance of this money remaining with the banks even after the death of the account holder could go down swiftly.

RCap lenders withdraw petition against IndusInd International at NCLAT

New Delhi. Lenders of debt-ridden Reliance Capital have withdrawn petition filed against IndusInd International Holdings Ltd (IIHL) before appellate tribunal NCLAT. The Committee of Creditors (CoC) of Reliance Capital has informed NCLAT that the resolution plan was completely implemented by IIHL with the transfer of complete payment amounts in terms of the resolution plan. The CoC sought permission of the National Company Law Appellate Tribunal to withdraw its appeal filed against the NCLT order, in consideration of the completion of

the implementation of the resolution plan by IIHL. ALSO READ: IIHL completes acquisition of RCAP; mgmt transfer to take place on WedWhile allowing CoC's application for withdrawal, NCLAT noted counsel appearing for the administrator as well as IIHL had no objection towards this."In the circumstances, the said application stands. I'm the circumstances of the said application stands of the withdraward of t Accordingly, the appeal is disposed of as withdrawn. Pending applications, if any, are also disposed of," said a two-member bench comprising Justice Yogesh Khanna and Ajai Das Mehrotra in its order passed on March 24, 2025.IIHL had emerged as the successful resolution applicant with the highest bid of Rs 9,650 crore in April 2023 for acquiring the troubled financial services firm under the Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP) of the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC). However, in the resolution plan and plan approval order, the resolution plan was required to be implemented by IIHL on or before May 27, 2024. This timeline was extended till August 10, 2024."During the extended period, steps were taken by IIHL, with cooperation from the Administrator of the Corporate Debtor (RCap) and the CoC towards implementation of the resolution plan and a process note capturing the implementation steps was submitted by IIHL.

ATS Homekraft sells 400 plots for ?1,200 cr in Yamuna Expressway project

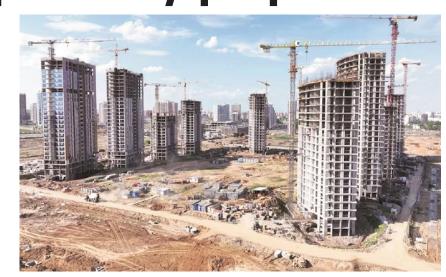
The company will develop a 63-acre plotted development project, 'Province D Olympia' on Yamuna **Expressway**

New Delhi. Real estate company ATS Homekraft has sold around 400 residential plots for more than Rs 1,200 crore in its new project on Yamuna Expressway on strong consumer demand. The company will develop a 63-acre plotted development project, 'Province D Olympia' on Yamuna

Expressway, near the upcoming Noida International airport in Jewar, Uttar Pradesh."We have launched first phase of a 63-acre project comprising around 400 plots. We received a tremendous response from the customers and all plots have been sold out," ATS Group MD Udaivir Anand said.He said the plots were sold in a price range of Rs 2-4 croreAnand said the company would launch the second phase comprising around 200 plots at a later stage. This project is part of a large 100-acre township, with 35 per cent of green area.

In this township, ATS has already developed and handed over a group housing project 'ATS Allure' with over 1,100 apartments.Going forward, Anand said the company plans to develop serviced apartments and high street retail project in this township.

Talking about the overall ATS Group, Anand said, "We have completed and delivered over 4,000 homes across Noida, Gurugram and Chandigarh in the last 30 months." He said the company is focusing on completing ongoing projects, payment



of land dues and reduction of bank loans. Anand said the company will be launching more housing projects in Delhi-NCR in the next fiscal to monetise its land bank.

He said the housing demand continues to be strong.In October, ATS Homekraft sold

entire around 340 luxury homes in first phase of its project 'Sanctuary 105' on Dwarka Expressway, Gurugram for Rs 825 crore. The second phase will be launched this year comprising around 400

RBI allowing banks to charge for ATM withdrawals 'institutionalised extraction': TN CM Stalin

The DMK chief said that the move will make people withdraw more than they need and in particular, negate the objectives of financial inclusion of the poor.

CHENNAI. Tamil Nadu Chief Minister M K Stalin on Sunday flayed the RBI's decision allowing banks to charge for ATM withdrawals beyond the monthly limit and said this will make people withdraw more than they need and alleged "this is not digitisation, it is institutionalised extraction."Stalin said that the union government urged everyone to open bank accounts and then came demonetisation, pitching



digital transactions, penalties for low balances and now the RBI has allowed banks to charge up to Rs 23 for ATM withdrawals beyond the monthly limit. This will make people withdraw more than they need and in particular, negate the objectives of financial inclusion of the poor.

digital India.In a social media post, he Beneficiaries of MNREGA, which is said, "What followed? Charges on already starved of funds and the poor who benefit from our KMUT (Kalaignar Magalir Urimai Thogai scheme of Tamil Nadu government, the Rs 1,000 monthly assistance to women beneficiaries) cash transfers will be the ones who will be hit the hardest. This is not digitisation. It is institutionalised

PMI, FIIs And Global Economic Data Key Triggers For Next Week New Delhi. The market outlook for next week will

Market Outlook: US Tariff,

be guided by several domestic and global economic factors such as PMI and FIIs data, auto sales and Key US economic data, including the Composite PMI and Initial Jobless Claims. On the domestic front, auto sale data will be released by auto companies from Monday and India's HSBC Composite PMI data for March is set to be released on Friday.On the global front, markets will be driven by India-US tariff policy developments, the impact of US President Donald Trump's announcement of a 25 per cent tariff on finished vehicle imports effective April 3 and US Fed Chair Powell's Speech.Further, many important economic data, including US job openings, US non-farm payrolls, and US unemployment rate, will be released next week. Last week, the Indian stock market closed with gains. Nifty and Sensex rose by about 0.70 per cent to close at 23,519.35 and 77,414.92.The rally was led by banking stocks. Bank Nifty closed at 51,564.81, up nearly 2 per cent. On a sectoral basis, Nifty PSE and FMCG indices were the top gainers, while media and pharma indices were the top losers.

Foreign investors continued their buying spree last week as well. Between March 24 and 28, foreign

Post Office Savings Schemes: Govt Announces Interest Rates For PPF And Sukanya Samriddhi Yojana For April-June 2025- Details Here

New Delhi. Small Savings Schemes Interest Rates: The central government has announced that the interest rates on small savings schemes for the April-June quarter of the FY 2025-26 remain

unchanged. These schemes, commonly referred to as post office savings schemes, will continue to offer the same returns as in previous quarters. This announcement has been made through a circular issued by the Department of Economic Affairs under the Ministry of Finance on March 28, 2025. This marks the fifth consecutive quarter where the interest rates on popular

schemes such as the Public Provident Fund (PPF) and National Savings Certificate (NSC) remain unchanged.As per the circular, the interest rates applicable from April 1, 2025, are as follows: Public Provident

Fund (PPF) at 7.1 per cent, National cent, Senior Citizen Savings Scheme (SCSS) at 8.2 per cent, and Sukanya Samriddhi Yojana (SSY) at 8.2 per



cent. Sukanya Samriddhi Yojana Interest Rate: This scheme will continue to offer an interest rate of 8.2 per cent for the April-June quarter of FY 2025-26. Meanwhile, the interest rate on a three-year fixed deposit

remains unchanged at 7.1 per cent. Savings Certificate (NSC) at 7.7 per Senior Citizen Savings Scheme: The Senior Citizen Savings Scheme (SCSS), which provides a secure savings option for senior citizens, will

also retain its 8.2 per cent interest rate, ensuring competitive

RD Interest Rate: The five-year Recurring Deposit (RD) will maintain its existing interest rate of 6.7 per cent for the first quarter of FY 2025-26.

No Change In Interest Rate The last revision in interest rates for post office savings schemes was made during the January-March quarter

FY 2023-24. The rates have remained steady across all small savings schemes since April 2024. However, the government notifies the interest rates on small savings schemes every quarter.



institutional investors (FIIs) invested Rs 17,426 crore. Whereas domestic institutional investors (DIIs) invested Rs 6,797 crore in equities.

The Nifty closed 6.3 per cent higher in March, reversing the previous month's decline and closed on a strong positive note, supported by consistent foreign inflows. Indian stock markets will remain closed on March 31 on account of Eid.

Puneet Singhania, Director at Master Trust Group, said, "For Nifty, strong support is placed at 23,300, and if breached, the index could decline toward 23,000. On the upside, resistance is seen at 23,800. and a breakout above this level could drive Nifty towards 24,100, potentially extending the rally.

India Aims Rs 3 Lakh Cr In Defence Production By 2029 With Rs 50,000 Cr In Exports

India now exports defence equipment to over 100 countries, with the US, France and Armenia emerging as the top buyers in 2023-<u>24.</u>

New Delhi. The government on Saturday said it aims to achieve Rs 3 lakh crore in defence production by 2029, reinforcing the country's position as a global defence manufacturing hub. About 65 per cent of defence equipment is now manufactured domestically, a significant shift from the earlier 65-70 per cent import dependency. A robust defence industrial base includes 16 DPSUs, over 430 licensed companies, and approximately 16,000 MSMEs, strengthening indigenous production



capabilities, according to a statement by Ministry of Defence. "The private sector plays a crucial role, contributing 21 per cent to total defence production, fostering innovation and efficiency," it added. The government said it aims to reach Rs 50,000 crore in defence exports by 2029, reinforcing India's role as a global defence

manufacturing hub while boosting economic growth. Defence exports surged by 32.5 per cent year-on-year, rising from Rs 15,920 crore in FY 2022-23 to Rs 21,083 crore in FY 2023-24. Defence exports have grown 21 times, from Rs 4,312 crore in the 2004-14 decade to Rs 88,319 crore in the 2014-24

decade, highlighting India's expanding role in the global defence sector.

India now exports defence equipment to over 100 countries, with the US, France and Armenia emerging as the top buyers in 2023-24. Moreover, the Ministry of Defence said it has signed a record 193 contracts in 2024-25, with the total contract value surpassing Rs 2,09,050 crore, nearly double the previous highest figure. Of these, 177 contracts, accounting for 92 per cent, have been awarded to the domestic industry, amounting to Rs 1,68,922 crore, which is 81 per cent of the total contract value.

This significant focus on indigenous manufacturing aligns with the vision of self-reliance in defence production, boosting local industries and generating employment across the sector. In FY24, the value of defence production surged to a record high of Rs 1,27,434 crore, marking an impressive 174 per cent increase from Rs 46,429 crore in 2014-15, according to data from all Defence Public Sector Undertakings (DPSUs), other public sector units manufacturing defence items, and private companies.

Doctor registrations, MBBS internships delayed at Delhi Medical Council due to absence of registrar

Doctors seeking a No-Objection Certificate (NOC) to either migrate out of Delhi or pursue further studies abroad are in limbo, unable to proceed without the council's approval.

are caught in a web of administrative chaos issued by the registrar.

struggles with financial irregularities, unlawful appointments, and a leadership vacuum.

The absence of a Registrar has brought the council's operations to a standstill, leaving a growing number of medical professionals unable to complete necessary procedures to start or continue their careers.One of the most pressing issues is the delay in the registration of MBBS graduates who are

unable to obtain the registration required to begin their practice.

Medical students from other states wishing to practice in Delhi are also stuck, as they Dr Vrishank Gupta, a recent graduate from cannot receive the permanent registration needed to work. The undergraduates are also

NEW DELHI. Hundreds of doctors in Delhi certificates required for internship which are

as the Delhi Medical Council (DMC) Additionally, doctors seeking a No-Objection



Certificate (NOC) to either migrate out of Delhi or pursue further studies abroad are in limbo, unable to proceed without the council's approval.

NDMC Medical College, is among those affected.

affected as they cannot get provisional Having completed his verification process

registration number so he can apply for a job in a hospital. "I completed all my paperwork

and verification earlier, but still haven't received my permanent registration. Without it, I can't join my junior residency, and I won't be able to practice even if I find a job," he shared. Dr Naresh Chawla, Vice-President of the DMC, acknowledged the growing crisis, revealing that around 300 to 400 applications for registration and NOCs are currently pending. "We receive numerous applications daily, and they can only be processed by the Registrar. Without someone in that role, the council is unable to function properly," he said.

Chawla attributed the delay in the appointment to the government. "We submitted a list of potential candidates for the Registrar position earlier this month, but the government has yet to make a decision. At least they should appoint someone temporarily to ensure the DMC's operations don't come to a complete halt," he added.

Delhi Zoo's Summer Plan: "Fruit Ice Cubes", Sprinklers To **Keep Animals Cool**

From April 1, all 'summer action plan' measures will be implemented to provide the animals with comfort during the heat, Zoo **Director Sanjeev Kumar** said.

New Delhi. Animals at the Delhi zoo will get a cool treat--"fruit ice cubes--"while water sprinklers will be installed for tigers, lions, leopards, and jackals to help them beat the heat during the summer season. From April 1, all 'summer action plan' measures will be implemented to provide the animals with comfort during the heat, Zoo Director Sanjeev Kumar said. From air coolers in enclosures and frequent water showers to shaded resting areas and running water in pools, the zoo will take various measures to keep the animals comfortable this summer.

The National Zoological Park will roll out a series of summer care measures to ensure the wellbeing of animals, Sanjeev Kumar said.

SanjeevKumar added that the Delhi zoo has devised a structured plan for different animal species, ensuring their comfort during the peak summer months. The measures include continuous running water in pools for carnivores, herbivores, and reptiles, along with sprinklers and shaded areas to prevent overheating.



In carnivore enclosures, water pools will be kept filled and shaded, while sprinklers will be installed for tigers, lions, leopards, and jackals. The zoo will also set up water coolers in holding cells and adjust the animals' diet to lighter, summer-friendly meals. Herbivores, including sambar deer, nilgai, blackbucks, and elephants, will receive frequent showers. Similarly, rhinos will be bathed twice daily to keep them cool.

The capital recently recorded its hottest day in March in the last three years, with the mercury reaching 38.9 degrees Celsius, according to the IMD. For primates, air coolers have been placed in their enclosures, and special fruit ice balls are being prepared daily to provide them hydration and nutrition. Reptile enclosures are also being kept cool with shaded areas and wet gunny bags for snakes, officials said. Meanwhile, bird enclosures are being equipped with side-wall curtains, water sprinklers, and larger earthen pots to ensure a steady supply of cool drinking water. Emus and ostriches are getting regular baths, and delicate species like pheasants have been provided with gunny bags that are kept damp to maintain a cooler environment.

Bears, which are highly sensitive to heat, will be kept in shaded feeding cells during extreme temperatures, with large ice blocks provided for relief. Their moats are cleaned and refilled daily, and they are also given fruit ice cubes to help them stay hydrated. Apart from these speciesspecific measures, the zoo has installed thermometers in key enclosures to monitor temperature fluctuations.

Seasonal fruits like watermelon, cucumber, and coconut water have been incorporated into the diets of primates, bears, and herbivores to provide extra hydration."As temperatures continue to rise, our priority is to keep the animals comfortable and safe. We have deployed additional measures this year to ensure they are well-hydrated and protected from the heat," said a senior zoo official.

Forest guard assaulted by locals over attempt to molest 12-year-old in Odisha

New Delhi. After being accused of trying to molest a 12year-old girl in the Rayagada district of Odisha on Friday, a forest guard was taken into custody. The incident allegedly occurred around 11:00 AM as the minor was on her way home from school. As per reports, the accused, identified as Narasingha Satapathy, attempted to lure her into his house with malicious intent. However, the situation escalated when the victim's younger sister, who was present, raised an alarm and ran to inform their family. The girl's relatives swiftly intervened, rescuing her and notifying the villagers.

Enraged by the incident, the locals assaulted the accused before handing him over to the authorities. Police arrived promptly, arrested the accused, and transported him to the Padmapur police station for questioning.

The victim's mother recounted the harrowing ordeal, saying, "My daughter had gone to school in the morning and was returning home when the forester tried to rape her. He dragged her into his room and molested her. However, her sister, who was with her, cried for help, and fellow villagers rushed to her rescue."Rayagada Superintendent of Police confirmed the arrest and provided an update on the case. "The matter is under investigation. We are collecting evidence from different angles. A minor girl has filed a complaint at Padmapur police station regarding the incident. We have arrested the forester after receiving the complaint and are interrogating both parties to ascertain the facts," the SP

Government hospital to charge Rs 1,000 for body packing, Rs 1,800 for virtual consultation

NEW DELHI. Patients at the Institute of Liver and Biliary Sciences (ILBS), an autonomous hospital under the Delhi Government, will now have to bear additional expenses for various essential services that were previously free or lower in cost.

The revised charges, which come into effect from February 27, are expected to significantly increase the financial burden on patients, many of whom come from underprivileged backgrounds. According to the official



order, ILBS has introduced a Rs 1,000 charge for body packing (mortuary services), a fee that families must now pay if a patient dies during treatment.

The hospital will also charge Rs 1,000 for an extra attendant (GDA) staying in private and suite wards for an 8-hour night shift. In critical care, infusion pump charges have been introduced, with ICU patients required to pay Rs 500 per day, HDU patients Rs 300 per day, and ward patients Rs 200 per day. Additionally, nebulisation will cost Rs 100 per episode, and tube feeding will be charged at Rs 100 per instance.

Basic medical services will also see a price hike. USG screening charges have increased from Rs 385 to Rs 450. The cost of oxygen and medical gases is now Rs 250 for half a day and Rs 500 for a full day. Even dietary consultations have become more expensive, with OPD dietician charges increasing from Rs 100 to Rs 250.

Patients seeking medical records upon admission will now have to pay Rs 300, a service that was previously free. Meanwhile, the fee for virtual OPD consultations has been raised from Rs 400 to Rs 600, and virtual consultation packages have been introduced at Rs

Ex-Bihar minister, 4 others get 3year jail term in Bitumen scam case

A CBI court in Ranchi sentenced ex-Bihar minister Md Illiyas Hussain, four others to three years in jail and fined each Rs 32 lakh in the Bitumen scam case.

New Delhi. A CBI special court in Ranchi has sentenced former Bihar minister Md Illiyas Hussain and four

others to three years of rigorous imprisonment in connection with the much-discussed Bitumen scam case. The court also imposed a fine of Rs 32 lakh on each convict. The case dates back to August 6, 1996, when an FIR was registered based on a complaint, leading to an investigation under multiple sections of the IPC, including criminal conspiracy (120B), cheating (420), forgery (467, 468, 471, 474), and criminal breach of trust (409), along with provisions of the Prevention of Corruption Act,

1988. The CBI took over the probe and

registered the case as RC No. 11(A)1997-D.The scam involved the alleged transportation of bulk bitumen



from Haldia to the Road Construction Department (RCD) in Hazaribagh via

Barauni. However, investigations revealed that no bitumen was transported at all. Instead, the

transporter lifted the bitumen from Haldia, sold it on the open market in Kolkata, and fraudulently claimed transportation charges.

Alongside Md. Illiyas Hussain and other convicted individuals include Shahabuddin Baigh, Pawan Kumar Agarwal, Ashok Kumar Agarwal, and Vinay Kumar Sinha.

The charges against them were framed under sections 120B, 407, 409, 420, 468, and 471 of the IPC, as well as section 13(2) read with section 13(1)(d) of the Prevention of Corruption Act, 1988.

Delhi flat owner arrested after woman's body found in bed box, husband on the run

The police stated that both arrested accused are trying to mislead the investigation, adding that the motive for the murder will only become clear after the husband is caught.

New Delhi. A day after the decomposed body of a woman was found stuffed inside a bed box in an east Delhi flat, the police arrested the landlord and another individual, an aide of the victim's husband, under relevant sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita for murder.

According to the police, the husband remains untraceable since the incident. One of the accused, Vivekanand Mishra, the landlord, was

and arrested on Saturday. During interrogation, he admitted to the crime and revealed the involvement of two others -- the husband's aide, Abhay Kumar, and the husband, who is still at

taken into police custody on Friday

trying to mislead the investigation, adding that the motive for the murder

will only become clear after the husband is caught.

On Friday, the Delhi Police received a PCR call from Vivek Vihar with complaints of foul smell coming from one of the DDA flats.After reaching the site, the police found the house locked from outside and found traces of blood near the back door.

The police stated that both accused are Upon entering, they found a decomposed body inside a bag, wrapped in a blanket, and placed inside the bed box.

On Friday night, the police traced the 65-year-old owner of the house near Surajmal Park in Anand Vihar and subsequently detained him. Shedding light on the case, the police

said that the 35-year-old victim, Anjali, caught her husband in a compromising position with the other two accused in their Delhi flat, reported news agency PTI.On discovering her husband's affair, the woman left for her parents' place in Punjab's Ludhiana, reported PTI, citing the police official.

On March 21, Anjali's husband, Ashish, brought her back to Delhi from Ludhiana. Two days later, Ashish, along with his aide and landlord, murdered her, stuffed her body inside a bed box and ran away to Jaipur, where they stayed at the house of Abhay's

Who Is Sujata Karthikeyan, Top Odisha IAS Officer Who Got Early Retirement

New Delhi. Senior Odisha cadre IAS officer Sujata Karthikeyan has taken voluntary retirement, after the Centre approved her application, instructing the Odisha government to issue the necessary notification.On March 13, 2025, the Central Government officially approved her request for voluntary retirement, waiving the mandatory three-month notice period.

Who Is Sujata Karthikeyan:

Ms Karthikeyan, a 2000-batch IAS officer, graduated in Political Science from Lady Shri Ram College, Delhi University. She later obtained a Master's Degree in International Politics from Jawaharlal Nehru University (JNU).

Ms Karthikeyan's career began in the Maoist-affected Sundargarh district of Odisha, where she spearheaded several social initiatives. In 2005, she launched a bicycle distribution scheme for high school girls under the motto 'Mobility is Empowerment.' In 2006, she introduced eggs into the Mid-Day Meal (MDM) scheme in Sundargarh. Instead of increasing dal or oil quantities, eggs were added to students' meals. This initiative was later scaled up across the

Ms Karthikeyan was also known as the

"Football Collector" in Sundargarh. She promoted sports, particularly football and hockey, among youth in Maoist-prone areas, distributing equipment and setting up hostels for aspiring athletes.

One of Ms Karthikeyan's most notable contributions was her leadership of 'Mission Shakti, 'Odisha's flagship women's empowerment programme. Under her

guidance, the programme grew to support 70 lakh women, with credit linkages for women's self-help groups

(SHGs) increasing from Rs 500 crore to T Rs 15,000 crore over seven years. As the Before her retirement, Ms Karthikeyan first woman Collector of Cuttack district , Ms Karthikeyan launched the 'Mamta' scheme, a conditional cash transfer In May 2024, the Election Commission

programme for pregnant women.

During her brief tenure as Secretary of Culture, Ms Karthikeyan played a key role in organising the first World Odia Language Conference in Bhubaneswar.

served as Special Secretary in Odisha's Finance Department.

ordered Ms Karthikeyan's transfer from

her role as Commissionercum-Secretary of Mission Shakti, citing allegations of office misuse. Following the BJD's defeat, she took six months of leave, which was later denied an extension by the state's BJP-led government.

She is marred to VK Pandian, a former bureaucrat-turnedpolitician and close aide of ex-Chief Minister Naveen Patnaik. Mr Pandian also took voluntary retirement in 2023 to join the Biju Janata

Dal (BJD). He later withdrew from active politics following the BJD's electoral defeat in 2024.

\$3,55,796 limo from Putin's fleet explodes into fireball on Moscow street

world. An Aurus limousine, believed to be part of Vladimir Putin's official car fleet, exploded and caught fire on a Moscow street near the FSB secret service headquarters. Footage of the incident appears to show \$3,55,796 Aurus Senat engulfed in flames, with the fire spreading from the engine to the interior.

The vehicle reportedly belonged to the Kremlin's Presidential Property Management Department, but it remains unclear who was inside it or what caused the sudden blaze on Sretenka Street. There were no reported injuries or fatalities, Daily Express reported. Some people on social media, however, said that the limo was not among Putin's fleet cars.The 72-year-old Russian President often uses Russian-made Aurus vehicles and has gifted them to foreign leaders, including North Korea's Kim Jongun. The incident is likely to heighten Kremlin concerns over assassination plots.

Earlier this year, the Kremlin warned that any attempt on Putin's life would trigger a nuclear response. Russian Parliament Speaker Vyacheslav Volodin called such discussions a "serious threat to global security." Ukraine's military intelligence chief, Kyrylo Budanov, has claimed multiple assassination attempts on Putin have been made. The explosion follows a series of high-profile Russian military deaths, fueling Kremlin paranoia. In December, Lieutenant General Igor Kirillov, accused of overseeing chemical warfare in Ukraine, was killed in a Moscow explosion

Popular Japanese chain shuts 2,000 stores after rat, cockroach found in food

world. One of Japan's biggest restaurant chains, Sukiya, is temporarily closing its nearly 2,000 outlets nationwide for deep cleaning after a rat and a cockroach were found in customers food. Sukiya is a Japanese beef-bowl restaurant operator. Last weekend, the restaurant operator admitted that a rat had been discovered in a bowl of miso soup in January. In a statement, the chain apologised and said most of its sites would be shut between March 31 and April 4 "to prevent external intrusion and internal infestation of pests and vermin". We are taking the situation seriously," the Tokyo-based company said in a statement. Some outlets such as those in shopping malls will be open for customers, BBC reported.

Rumours about the rat-in-miso incident had been circulating on social media for weeks before Sukiya was forced to confirm that the rodent had been found "before it was eaten". The chain initially temporarily closed the restaurant where the rat was found and said measures had been taken to address cracks in the building that could lead to contamination.

It then announced that all of its outlets would be regularly checked for gaps and rubbish would be refrigerated. Sukiya is part of Zensho Holdings, which owns a number of restaurant chains in Japan.

Last Monday, following the disclosure about the rat, its share price tumbled before recovering later in the week. Its shares will face scrutiny after Saturday's

Hamas agrees to release 5 hostages under new ceasefire deal, Israel counters

Cairo. Hamas has agreed to a Gaza ceasefire proposal it received two days ago from mediators Egypt and Qatar, the Palestinian militant group's chief said on Saturday."Two days ago, we received a proposal from the mediators in Egypt and Qatar. We dealt with it positively and accepted it," Khalil al-Hayya said in a televised speech."We hope that the (Israeli) occupation will not undermine (it)," said Hayya, who leads the Hamas negotiating team in indirect talks aimed at securing a ceasefire in the Hamas-Israel war in Gaza that erupted in October 2023. Security sources told Reuters on Thursday that Egypt had received positive indications from Israel over a new ceasefire proposal that would include a transitional phase. The proposal suggests Hamas release five of the Israeli hostages it is holding each week, the sources said. The Israeli prime minister's office said it had held a series of consultations according to the proposal that was received from the mediators, and that Israel had conveyed to the mediators a counterproposal in full coordination with the United States.

Reuters asked the prime minister's office if it had also agreed to the ceasefire proposal but it did not immediately respond.

PHASED CEASEFIRE

The first phase of the ceasefire between Israel and Hamas went into force on Jan. 19 after 15 months of war and involved a halt to fighting, the release of some of the Israeli hostages held by Hamas, and the freeing of some Palestinian prisoners. Phase two of the three-phase deal is intended to focus on agreements on the release of the remaining hostages and the withdrawal of Israeli troops from Gaza. Hamas says any proposals must allow the launch of the second phase, while Israel has offered to expand the first 42-day phase. In response to calls on Hamas to disarm by Israel and the United States, Hayya said the group's arsenal was a red line and that it would not disarm as long as the "Israeli" occupation exists.

Israel and the US say Hamas must not have a role in post-war Gaza arrangements. Israeli military strikes on Gaza continued on Saturday, killing at least 20 Palestinians across the enclave, health authorities said. The Israeli military said it had begun "ground activity" in the Jneina neighbourhood of the Rafah area to expand what it described as the security zone in southern Gaza.On March 18, Israel resumed bombing and ground operations in Gaza, which it said were intended to increase pressure on Hamas to free hostages.

Honk if you hate Elon Musk: Protesters target Tesla showrooms across US, Europe

San Francisco. Crowds protesting billionaire Elon Musk's purge of the US government under President Donald Trump began amassing outside Tesla dealerships throughout the US and in some cities in Europe on Saturday in the latest attempt to dent the fortune of the world's richest man. The protesters are trying to escalate a movement targeting Tesla dealerships and vehicles in opposition to Musk's role as the head of the newly created Department of of Government Efficiency, or DOGE, where he has gained access to sensitive data and shuttered entire agencies as he attempts to slash government spending. The biggest portion of Musk's estimated \$340 billion fortune consists of his stock in the electric vehicle company, which continues to run while also working alongside Trump.After earlier demonstrations that were somewhat sporadic, Saturday marked the first attempt to surround all 277 of the automaker's showrooms and service centers in the US in hopes of deepening a recent decline in the company's sales. By early afternoon crowds

ranging from a few dozen to hundreds of protesters had flocked to Tesla locations in New Jersey, Massachusetts, Connecticut, New York, Maryland, Minnesota and the automaker's home state of Texas. Pictures posted on social media showed protesters brandishing signs such as "Honk if you hate Elon" and "Fight the billionaire broligarchy." As the day progressed, the protests cascaded around the country outside Tesla locations in major cities such as Washington, Chicago, Indianapolis, Cincinnati and Seattle, as well as towns in Virginia, Pennsylvania and Colorado. Smaller groups of counterprotesters also showed up at some sites. Hey, hey, ho, ho, Elon Musk has got to go!" several dozen people chanted outside a showroom in Dublin, California, about 35 miles (60 miles) east of San Francisco, while a smaller cluster of Trump supporters waved American flags across the street.A much larger crowd circled another showroom in nearby Berkeley, chanting slogans to the



beat of drums."We're living in a fascist state," said Dennis Fagaly, a retired high school teacher from neighboring Oakland, "and we need to stop this or we'll lose our whole country and everything that is good about the United States.'

ANTI-MUSK SENTIMENT EXTENDS **BEYOND THE US**

The Tesla Takedown movement also hoped to rally protesters at more than 230 locations in other parts of the world. Although the turnouts in Europe were not as large, the

two dozen people held signs lambasting the billionaire outside a dealership in Londor as passing cars and trucks tooted horns in support. One sign displayd depicted Musl next to an image of Adolf Hitler making the Nazi salute — a gesture that Musk has beer accused of reprising shortly after Trump's Jan. 20 inauguration. A person in a Tyrannosaurus rex costume held another sign with a picture of Musk's straight-arm gesture that said, "You thought the Nazis were extinct. Don't buy a Swasticar.We just want to get loud, make noise, make people aware of the problems that we're facing," said Cam Whitten, an American who showed up at the London protest. Tesla Takedown was organized by a group or supporters that included disillusioned owners of the automaker's vehicles celebrities such as actor John Cusack, and at least one Democratic Party lawmaker Rep. Jasmine Crockett from Dallas."I'n going to keep screaming in the halls of Congress.

Is Elon Musk planning to quit DOGE amid Tesla crisis Here's what he said

Elon Musk is planning to step down from the Department of Government Efficiency by late May, citing progress in deficit reduction, as Tesla faces protests, stock declines, and legal challenges.

Amid mounting backlash against his electric vehicle company, Tesla, billionaire Elon Musk hinted at stepping down from the Department of Government Efficiency (DOGE) of the US government by late May this year.Musk, classified as a special government employee (SGE), serves on a temporary basis, limited to 130 days within any 365-day period. The billionaire entrepreneur, who was appointed as a special advisor to President Donald Trump, spearheaded an aggressive government spending reduction program that brought federal

expenditures down to approximately USD 6 trillion. In an interview on Fox News, Musk also claimed that his team had been slashing waste and fraud at an



he said.Defending DOGE's budget cuts — which have sparked protests and legal challenges across the United States — Musk dismissed criticism that the department was acting recklessly. "They may characterise it as shooting from the hip, but it is anything but that," he said. "Which is not to say that we don't make mistakes". The DOGE team, comprising of Musk and seven senior advisors — Aram Moghaddassi, Steve Davis, Brad Smith, Anthony Armstrong, Joe Gebbia, Tom Krause,

and Tyler Hassen — has focused on eliminating inefficiencies across federal agencies. According to department estimates, their efforts, including workforce reductions, asset sales, and contract cancellations, have saved US taxpayers USD 115 billion as of March 24.

'The government is not efficient, and there is a lot of waste and fraud,' Musk said, asserting that a "15 percent reduction" in federal spending could be achieved without jeopardising critical services.He remained confident that America's financial outlook was improving, stating, "America will be solvent. The critical programs that people depend upon will work, and it's going to be a fantastic future. And are we going to get a lot of complaints along the way? Absolutely". Musk's announceent coincided with a turbulent period for Tesla, which has been grappling with nationwide protests, stock declines, and reports of vandalism targeting

Myanmar quake released power of '334 atomic bombs', expert warns of aftershocks

world. The powerful 7.7-magnitude earthquake which jolted Myanmar on Friday (March 29) released energy comparable to more than 300 atomic bombs, a geologist told CNN, warning of ongoing aftershocks in the region."The force released by such an earthquake is equal to about 334 atomic bombs, geologist Jess Phoenix said.

The earthquake, with an epicentre in Mandalay city in Myanmar, struck at midday at a depth of 10 kilometres, according to the United States Geological Survey. According to local authorities, the death toll has surpassed 1,600, while the US Geological Survey estimated fatalities could exceed 10,000 based on earlier projections. Phoenix also cautioned that aftershocks could persist for months as the Indian tectonic plate continues colliding with the Eurasian plate beneath Myanmar.She further noted that Myanmar's ongoing civil war and communication blackout are hindering the outside world from grasping the full extent of the disaster. Phoenix also warned that Myanmar's catastrophe will only worsen due to the country's ongoing civil war. The conflict, combined with a communication blackout, is obstructing the outside world from grasping the full impact of the earthquake. Meanwhile, India has



deployed a search and rescue team along with a medical unit, providing essential supplies such as blankets, tarpaulins, hygiene kits, sleeping bags, solar lamps, food packets, and kitchen sets. A 37-member team from China's Yunnan province arrived in Yangon, carrying emergency relief supplies, including life detectors, earthquake early warning systems, and drones. The team has been dispatched to assist with disaster relief and medical treatment efforts.Strong tremors were also felt in southwest China's Yunnan province bordering Myanmar. The powerful earthquake also rocked neighbouring Bangkok, killing

Russia's Emergencies Ministry deplyed two aircraft loaded with 120 rescuers and essential supplies, state news agency TASS reported. Myanmar's military-led government has declared a state of emergency in six regions and states, including the capital Naypyitaw and Mandalay, following the powerful earthquake and a strong aftershock near the country's second-largest

6, along with 22 people injured and 101 missing.

Taliban frees US woman detained in Afghanistan since February

Hall was received at the Qatari embassy in Kabul and confirmed to be in good health after undergoing a series of medical checks.

UPDATED. An American citizen detained in Afghanistan last month by the Taliban administration has been released, former US Ambassador to Afghanistan and Iraq Zalmay Khalilzad said on Saturday."American citizen Faye Hall, just released by the Taliban, is now in the care of our friends, the Qataris in Kabul, and will soon be on her way home," Khalilzad posted on X.There was no immediate comment or confirmation from the State Department. Khalilzad, also a gave no further details. He posted a picture of Hall sitting between two men.A source with knowledge of the



release said Hall, who had been detained in Afghanistan since February, was freed on Thursday following a court order and with logistical support

former U.S. Permanent from Qatar in its role as the United Representative to the United Nations, States' protecting power in Afghanistan. Hall was received at the Qatari embassy in Kabul and

> undergoing a series of medical checks, the source said, adding that arrangements were underway for her return to the US.Hall was arrested together with a British couple, Barbie and Peter Reynolds.British media reported that the couple, in their seventies, had been running projects in schools in Afghanistan for 18 years, deciding to stay even after the Taliban seized power.Khalilzad's post

made no mention of the couple, whose family has pleaded for their release amid concerns over their health.

Trump open to military force to take over Greenland after Danish minister's rebuke

After the Danish foreign minister criticised the Trump administration for its "tone" in criticizing Denmark and Greenland, the US President, in an interview with Fox News, hinted at the possibility of using military force to annex Greenland if necessary.

world. The Danish foreign minister on Saturday scolded the Trump administration for its "tone" in criticising Denmark and Greenland, saying his country is already investing more into Arctic security and remains open to more cooperation with the US.Foreign Minister Lars Lokke Rasmussen made the remarks in a video posted to social media after US Vice President JD Vance's visit to the strategic island. Later Saturday, though, US President Donald Trump maintained an aggressive tone, telling NBC News that "I never take military force off the table" in regards to acquiring Greenland."Many accusations and many allegations have been made. And of course we are open to criticism," Rasmussen said speaking in English. "But let me be completely honest: we do not appreciate the tone in which it is being delivered. This is not how you speak to your close allies. And I still consider Denmark and the United States to be close allies."Greenland is a territory of Denmark, which is a NATO ally of the United States. Trump wants to annex the territory, claiming it's needed for national security purposes. In Saturday's interview, Trump allowed that "I think there's a good possibility that we could do it without military force.""This is world peace, this is international security," he said, but added: "I don't take anything off the table."Trump also said "I don't care" when asked in the NBC interview what message it would send to Russian President Vladimir Putin,



who is trying to solidify his hold on Ukrainian territory three years after his invasion. Vance on Friday said Denmark has "underinvested" in Greenland's security and demanded that Denmark change its approach as Trump pushes to take over the Danish territory.

Vance visited US troops on Pituffik Space Base on mineral-rich Greenland alongside his wife and other senior US officials for a trip that was ultimately scaled back after an

uproar among Greenlanders and Danes who were not consulted about the original itinerary."Our message to Denmark is very simple: You have not done a good job by the people of Greenland," Vance said Friday. "You have underinvested in the people of Greenland, and you have underinvested in the security architecture of this incredible, beautiful landmass filled with incredible people. That has to change."Trump on Friday released a video on his social networking site

Truth Social entitled "America Stands With Greenland," showing footage of US troops there during World War II.In Greenland, Vance said the US has "no option" but to take a significant position to ensure the security of the island as he encouraged a push in Greenland for independence from Denmark."I think that they ultimately will partner with the United States," Vance said. "We could make them much more secure.

NEWS BOX

DC vs SRH, pitch, weather report IPL 2025: Sunny conditions for highscoring contest

New Delhi . Delhi Capitals will welcome Sunrisers Hyderabad to the Dr. Y.S. Rajasekhara Reddy ACA-VDCA Cricket Stadium in Visakhapatnam for an exciting IPL 2025 clash on Sunday, March 30. DC are looking to build on their thrilling win against Lucknow Super Giants while SRH are looking to bounce back from their loss to the Rishabh Panbt-led side.Both teams have been part of high-scoring matches so far and the batters will once again be in prime focus in the first game of the double-header on Sunday. The good news for Delhi is that KL Rahul is back with the squad after missing the first game as he went home for the birth of his daughter. Rahul is expected to come in and provide balance to the middle order, which showed signs of vulnerability against LSG. There is also a chance T. Natarajan will make his DC debut against his former side.SRH will be looking to get back into the groove after a loss at their home ground. Vizag is more or less home for the Pat Cummins-led side, who will look to thrill the Orange Army once again. With explosive batting on both sides, we can expect a thriller once again.DC vs SRH: Predicted Playing



XI, fantasy picks

DC vs SRH IPL 2025: Vizag pitch report The Vizag pitch has shown to favour batters

more and we can expect the same on Sunday. Despite this, the spinners will have a major role to play as the track is expected to assist them as the game wears on. Last game, we saw this in the second innings as DC struggled early on against LSG spinners.

DC vs SRH IPL 2025: Vizag weather forecastWell, the good news is that no rain is expected on Sunday. So we should get a full game between DC and SRH. The temperature at 3 pm IST, the time of the toss, is 31 degree Celsius, and it is expected to drop to 29 by the time the game is finished.

IPL 2025, RR vs CSK predicted XI, fantasy picks: Players who can fetch you most points

New Delhi . Matches are coming thick and fast for Chennai Super Kings as they travel to Guwahati to face Rajasthan Royals. CSK were hammered at home by Royal Challengers Bengaluru, as they were completely outplayed by their rivals in all departments, and this might prompt Chennai to make some changes to their playing XI.

Rajasthan, on the other hand, haven't been up to the mark this season as they continue to cope up with the departure of key players like Jos Buttler and Yuzvendra Chahal. Rajasthan gave a terrible account of themselves with the bat and then failed to keep Quinton de Kock in check in the last game against KKR.

Given the position that Rajasthan are in, changes are expected. They might think of bringing in Akash Madhwal, a fiesty pacer in



the middle overs, who has the ability to rattle the batters.CSK vs RR: Predicted Playing

CSK Predicted Playing XI

Ruturaj Gaikwad, Devon Conway, Rachin Ravindra, Rahul Tripathi/Vijay Shankar, Shivam Dube, Ravindra Jadeja, R Ashwin, MS Dhoni, Khaleel Ahmed, Nathan Ellis, Noor Ahmad.

Impact: Anshul Kamboj/Andre Siddharth

RR Predicted Playing XI Sanju Samson, Yashasvi Jaiswal, Riyan Parag, Nitish Rana, Shimron Hetmyer, Dhruv Jurel (wk), Wanindu Hasaranga, Jofra Archer, Akash Madhwal, Sandeep Sharma, Fazalhaq Faroogi

Impact - Shubam Dubey/Kumar Kartikeya Top 5 Fantasy Picks From Each Team

Considering that Guwahati might be a spinfriendly wicket once again, the onus will be on top-order batters and spinners from both sides to deliver. Here are our top fantasy picks from both teams.

Shubman Gill on black soil pitch for GT vs MI: Don't want all games to be 240-250

Shubman Gill defended the use of the black soil pitch in Ahmedabad during the Gujarat Titans vs Mumbai Indians clash, claiming that they wanted to keep the game equal between bat and ball. GT secured their first win of the season on Saturday, March 29.

New Delhi . Gujarat Titans captain Shubman Gill defended the use of the black soil pitch during the clash against Mumbai Indians on Saturday, March 29 in Ahmedabad. The Narendra Modi stadium has the option of using a red soil or a black soil pitch during matches and GT decided go with the latter one for the game against MI on Saturday. The Titans were able to restrict to Mumbai to 160 while chasing 197 runs, with the bowlers getting a lot of help off the track in



the second innings.

Speaking after the win, Gill said that the track suited the strengths of his side. The GT skipper said that sometimes it is important to give a cushion to the bowlers, especially with big scores becoming the norm in the IPL over the past few seasons.Gill said he wanted to make it an equal game and felt that high-scoring games are taking away the skill out of cricket."I think each team has their own strengths and the way they like to play certain type of a cricket I think this kind of a wicket suits our batting and bowling and overall strength of

our team more than on the red soil and I think the way the game is going, you know, we see 250 to 240 runs [being scored]. We have to sometimes give those cushion for the bowler so there's something in it for the bowlers and the game is just an equal game. We just don't want all the games to be you know 240 to 250 runs. I feel if there are such high-scoring

games the skill out of cricket, it takes away from that," said Gill.'Decision to use black soil for MI clash was made before opening match'Gill said the decision to use the black soil pitch for the clash against MI was taken before the start of the season."The decision was taken before the first match that the second match will be played on black soil.

IPL 2025: Gujarat Titans prove too hot for Mumbai Indians

Ahmedabad. There is a reason why Gujarat Titans invested in Prasidh Krishna (4-0-18-2) the bowler. The natural bounce he generates makes it difficult to hit him for boundaries, as Mumbai Indians found out the hard way on Saturday. Prasidh's armoury of cutters, good-length balls and slower balls made batting difficult for Tilak Varma, Suryakumar Yadav and Hardik Pandya. The Karnataka pacer accounted for Varma and Yadav, propelling his team to a 36-run win at the Narendra Modi Stadium on Saturday.

Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW! After new ball bowler Mohammed

Siraj castled Rohit Sharma (8) and Ryan Rickelton (6), Varma and Yadav stitched a 62-run stand. Yadav sent Siraj and Ishant Sharma to his favourite leg-side boundary before he swept left-arm spinner R Sai Kishore for a boundary and hit him over extra cover for a maximum. However, Varma was far from fluent, and he was caught at deep midwicket by Rahul Tewatia. The promotion of impact player Robin Minz (3) failed as he ate up deliveries before being caught at short third man off Kishore. Thereafter, Hardik Pandya (11 off 17, 1x4) and Yadav failed to connect to the pace of Krishna. While Gill caught Yadav at long-off, Rabada had

Rahul Dravid on 14-year old Vaibhav Suryavanshi: RR won't be scared to play him

New Delhi . Rajasthan Royals head coach Rahul Dravid has revealed that the team is not shying away from the prospect of fielding their 14-year-old sensation, Vaibhay Suryavanshi, in the ongoing Indian Premier League (IPL) 2025 season. However, Dravid made it clear that they are prepared to give the young talent some time to acclimatise to the high-pressure

environment of the tournament. As RR gear up for their crucial clash against Chennai Super Kings (CSK) on March 30, the coach emphasised that they are not planning to experiment excessively with the team's combination, especially not with the still inexperienced Vaibhav. The Royals grabbed the headlines when they secured Vaibhav Suryavanshi for Rs 1 crore during the mega auction, following his remarkable performances in domestic cricket and his contributions to the India U-19 side. The

move sparked widespread excitement among fans and cricket experts, eager to see the young prodigy on the big stage. Speaking at the pre-match press conference ahead of the CSK clash, Dravid stressed the importance of timing Vaibhav's introduction to the IPL and expressed confidence that the management would not rush his debut."He is training really well,

and he looks like a really good and exciting talent but there are other equally good players as well and part of our responsibility is to groom him well, give him a little bit of time in the environment, let him get used to it and practice with the players, let him get a feel of the environment, all these are great experiences for him, rather than putting him



straight in front of the crowd so it's a part of the process we follow in grooming a player and if an opportunity arises we won't be scared to play him if it is required," Dravid said in the pre-match press conference.

Rajasthan Royals have endured a challenging start to their IPL 2025 campaign, suffering defeats against Sunrisers Hyderabad and Kolkata Knight Riders. Stand-in captain Riyan Parag has led the team in the absence of regular skipper Sanju Samson, who has been playing solely as a batter.

Backing Riyan Parag at no.3

Addressing Riyan Parag's role as the new No.3 batter, Dravid expressed unwavering support despite the batter managing only 4 and 25 runs in the opening two matches. The

head coach insisted that Parag's potential is undeniable and backed him to find his rhythm as the tournament progresses."Look, Riyan [Parag] is one of our best batters, let's be honest. And we want to give him as many balls as we possibly can. Twenty overs is a very short time and the more balls Riyan Parag bats for us, the better it is for us as a team," Dravid said."But honestly, the move to No. 3 was a positive move to try and give him more time to bat. And we know how destructive a player he is and

if he gets more time, then he can score more runs and that can benefit the team. And I think he's quite comfortable, he's more than capable of batting at any position," he added. Meanwhile, Chennai Super Kings are also looking to bounce back after their loss to Royal Challengers Bengaluru, making the upcoming clash a high-stakes encounter.

MI captain Hardik Pandya fined 12 lakh rupees for code of conduct breach vs GT

Pandya caught at short third man.

New Delhi . Mumbai Indians captain and star all-rounder Hardik Pandya has been fined 12 lakh rupees for a breach of code of conduct during the loss to Gujarat Titans on Saturday, March 29. Hardik was given the fine for maintaining a slow over-rate during the match on Saturday, which was the second loss in a row for the five-time champions.GT posted 196 runs on the black soil pitch which was used in Ahmedabad for the clash and MI struggled to stay on track during the chase. Mumbai lost the match by 36 runs at the end as Gujarat registered their first win of the ongoing campaign. IPL released the statement on their official website, saying that he was fined the amount as it was his team's first



offence of the season."Mumbai Indians captain Hardik Pandya has been fined after his team maintained a slow over-rate during Match No. 9 of the TATA Indian Premier League (IPL) 2025 against Gujarat Titans at the Narendra Modi Stadium, Ahmedabad.

"As this was his team's first offence of the season under Article 2.2 of the IPL's Code of Conduct, which pertains to minimum overrate offences, Pandya was fined INR 12 lakhs," read the statement from IPL.

Interestingly, Hardik returned to the lineup for the clash after serving a one-game ban for slow over-rate last season. However, before the start of the season, IPL decided to scrap banning captains for slow over-rates. Hardik's eventful day in Ahmedabad

Hardik was returning back to his former stomping ground and it was eventful to say the least. During the second innings, the MI skipper was involved in an altercation with GT's Sai Kishore and both men had an intense staredown. The umpires had to step in before the situation escalated and it was diffused quickly. After the match, both men were seen sharing a laugh about it and Kishore said that it was all in good spirits.

INTERVIEW: Same rules apply to everybody, says BCCI secretary Devajit Saikia

GUWAHATI. A day ahead of the match between Rajasthan Royals and Chennai Super Kings, the Assam Cricket Association (ACA) office resembled a city centre. From last-minute seating arrangements for very important guests to ticket seekers, it was thronging with people. One such office was right in front of the entrance on the first floor that read BCCI Secretary. It's where Devajit Saikia sits. The newly-elected office-bearer was flooded with media interviews from print to TV. He, however, found some time for an exclusive interview with this daily on Saturday.He spoke on a variety of subjects icluding the city's cricketing transformation, WTC's proposed two-tier structure and how the same rules apply to everybody within the BCCI, be it Virat Kohli or the logistics manager. Excerpts...

On deferring a scheduled meeting between Gautam Gambhir (men's head coach) and



Ajit Agarkar (men's selection committee chair) I am here because of this match and we have so many invitees from the chief minister, judges to some ministers. It will not look good if I'm not here considering I invited them. That is why I have deferred this meeting. It will be held some other day at some other venue. I do not know. We have not set the agenda and we are not supposed to disclose the agenda also. On Guwahati's

this yearInternational cricket started in Assam on December 17, 1983 when India played against West Indies in the fifth ODI. That was the starting point. Thereafter, we hosted about 16-17 international matches, I am not sure about the exact number. From 2017 onwards, the ACA Stadium in Barsapara started functioning. So we hosted the first international match here — India versus Australia — I think it was on October 10, 2017. Thereafter, we hosted another ODI, India vs West Indies. Subsequently there were two matches, India vs Sri Lanka. India vs South Africa. A lot of other matches were regularly hosted here as per the BCCI's policy of rotation. In 2023, we tried our best to have the World Cup matches here. Although we could not be one of the ten venues, we were allotted four warm-up

journey, with it set to host a maiden Test later

IPL 2025 | Gujarat Titans outclass Mumbai Indians with a 36-run victory in Ahmedabad

New Delhi Gujarat Titans claimed their first win of IPL 2025 with a 36-run victory over Mumbai Indians at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad. The Titans posted 196/8 in their 20 overs, and despite some resistance from Suryakumar Yadav and Tilak Varma, Mumbai faltered in the chase, finishing at 160/8. Prasidh Krishna was the standout performer with the ball, stifling MI's batting line-up with a brilliant spell, while Mumbai were left to rue their struggles with both bat and ball.

Titans make the most of a blistering start

Sent in to bat first, GT openers Shubman Gill and Sai Sudharsan started steadily, reaching 31/0 in four overs. The momentum swung in He found a reliable partner in Shahrukh Khan, their favour in the next couple of overs as Mumbai's bowlers struggled.

Hardik Pandya introduced Mujeeb Ur Rehman in the fifth over, but the Afghan spinner was taken for 15 runs. Deepak Chahar suffered worse in the following over, conceding 20 runs, with sloppy fielding adding to MI's

soared to 66/0. Mumbai Indians, however, clawed their way back as Hardik Pandya and Mitchell Santner bowled two tight overs with no boundaries. The increasing pressure saw Shubman Gill mistime a pull shot straight to deep square leg in the ninth over, departing for 38 off 27 balls. Jos Buttler, promoted up the order, took 21 balls before he finally broke the shackles, smashing Santner for a six and four off successive deliveries. At 92/1 after 10 overs, GT looked well-placed for a massive score.

The second half of the innings saw Sai Sudharsan continue anchoring as he reached his fifty off 33 balls in the 15th over.

but after launching Hardik Pandya for a six over deep square leg, Shahrukh fell for 9 off 6 balls, giving Hardik his second wicket of the night. The Titans were still in a strong position at 151/3 in 16 overs with Rahul Tewatia yet to bat. Young Satyanarayana Raju bore the brunt of GT's late hitting,



conceding 19 runs in an over, including sixes from Sudharsan and Sherfane Rutherford.

However, Mumbai pulled things back immediately as Trent Boult delivered a superb 17th over, conceding just three runs and trapping Sudharsan leg before wicket off the last ball for 63 off 41 balls.

Drama unfolded in the penultimate over as Rahul Tewatia was run out at the nonstriker's end without facing a ball. Rutherford then holed out for 18 off 10, caught at long-off by Santner.

Kagiso Rabada's only six in the 19th over helped GT reach 196/8, but they would have been disappointed not to breach the 200-mark after their strong start.

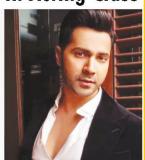
Mumbai's chase falters despite Suryakumar Yadav's knockNeeding 197 to win, MI's chase got off to a rocky start. Rohit Sharma, looking to make amends after his duck against CSK, got off the mark with two flicked boundaries off Mohammed Siraj. But Siraj responded immediately, clean bowling Rohit for 8 with a brilliant delivery.

Filak Varma came in at No.3 and attacked Kagiso Rabada in the next over, smashing 4, 4, and 6 off successive balls. But MI's momentum was stalled as Siraj and Ishant Sharma bowled back-to-back tight overs, restricting them to 32/1 in four overs.

iraj then struck again in the fifth over, sending Ryan Rickelton back for 6, as the batter inside-edged onto his stumps. Suryakumar Yadav arrived at the crease and got off the mark in style, flicking Siraj over deep backward square leg for a six.

DYK Kubbra Sait, Varun **Dhawan And Mrunal Thakur Were Together In Acting Class**





ctor Kubbra Sait, known for web series like Sacred Games and Foundation, turned showstopper for designer Namrata Joshipura's athleisure collection on Friday evening. The actress walked the Lakme Fashion Week X FDCI 2025 runway in two outfits. After stupefying viewers with her charismatic walk, Kubbra Sait had a candid conversation with a media agency. On the sidelines of the Lakme Fashion Week X FDCI 2025, the actress expressed her excitement for her upcoming movie, Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai, directed by veteran filmmaker David Dhawan.During the conversation with PTI, she stated, "I am really excited. Working with David Dhawan, sir, was a legacy project in my life. I get to work with the 'No 1' director. It's pretty awesome. I can't speak much about that... I was working on the bits and parts that I did with a very dear friend, Mrunal, and my other friend, who was also my costudent in acting class, Varun Dhawan."

In the same conversation, Sait also spoke about navigating social media. On being asked if she feels the need to self-censor, the actress said social media is here to stay, and one needs to develop a relationship with it. "For starters, I feel you need to have fun, and I've had fun when I put those jokes out. The second part of just being a creative person, given the environment that you are in, is that I am not speaking about censorship, I feel it is important that if you say something and mean something, then you stand by it," she stated. Elaborating further, she asserted, "Unfortunately, we all are missing a little courage, and I am not saying stand by what you are saying in a way that it's you against the world, but it is you by your own self. That's two strengths together. I feel there's a lot of power when you look at it that way. You just have to be you, and I think I am having fun being me, interacting with people."

Billed as a family entertainer, Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai also stars Varun Dhawan, Maniesh Paul. Mrunal Thakur and Pooja Hedge in key roles. The Ramesh Taurani production promises to be a delightful cinematic experience, and fans are eager to see Varun and Pooja's on-screen chemistry.

'Stay Grounded': Sushmita Sen's Piece Of Advice For Laapataa Ladies' Nitanshi Goel





itanshi Goel got immense appreciation for portraying the role of Phool in Kiran Rao's directorial Laapataa Ladies. The movie, which was released in theatres in March 2024, also features Pratibha Ranta, Sparsh Shrivastava, Ravi Kishan and Chhaya Kadam in key roles. Recently, Nitanshi also bagged the Best Debut Female award for her incredible acting skills at the Pinkvilla Screen & Style Icons Edition 4 event. A video captured from the same event, featuring a heartfelt conversation between the actress and veteran star Sushmita Sen, surfaced on social

Reddit user shared the video, featuring Nitanshi Goel and Sushmita Sen's candid conversation on the discussion platform. The clip begins with the 49-year-old star praising the young actress and embracing her. "Congratulations, what an actor," the Main Hoon Na actress exclaimed while hugging the Laapataa Ladies Fame. Jumping in enthusiasm, Nitanshi replied, "I'm a huge fan of you, ma'am." Interrupting her, Sushmita again mentioned, "You're an outstanding actor."

Indoubtedly, the young actress was amused to receive such lovely compliments from her idol. She quipped, "You saying this to me have made my day." However, adding more to this, Sushmita stated, "You've such a long way to go, my love. So young and so beautiful." But she also has a piece of advice for Nitanshi, and mentioned, "Stay grounded." "Sushmita Sen praises and hugs Laapataa Ladies' 'outstanding actor' Nitanshi Goel, advises her to 'stay grounded'!!" read the caption alongside the video.

raising the veteran actress and her candid meeting with Nitanshi, one user commented, "Sushmita madam is a damn good actress from olden days. Hope Nitasha gets good training for her career ahead from Sushmita Madam. Then maybe she can one day do a real picture that comes out in the theatre and not on online internet only."

However, many others also revealed that their chat was pretentious. "No advice on how to get diamond rings?" read a hilarious comment. Someone said, "I always get pretentious vibes off Sush," while another added, "So fake lol." "You think she will. lol after making it she will show attitude to strugglers and outsiders only and boot 1**k the nepo cancer gang. Just like Bhoomi/Tapsee and other idiots. Hopefully she proves me wrong but chances are really very slim," read another comment.





Likely To Return For 96 Sequel, Confirms Director

he much-loved Tamil romantic drama 96, starring Vijay Sethupathi and Trisha Krishnan, is officially set to receive a sequel. The 2018 film has earned cult status over the years, praised for its poignant storytelling and soulful performances. Now, fans have reason to celebrate as the story is far from over. At a recent award show, director C. Prem Kumar confirmed that a sequel to 96 is in the works and that the original cast will be returning. "I have written the story of 96. As for the cast, the actors who appeared in the first part will reprise their roles. There is no change in that," he said, without naming the lead pair specifically.

While he didn't directly mention Vijay Sethupathi and Trisha Krishnan, it's widely expected that the duo will return as Ram and Jaanu—two characters whose emotional journey left a lasting impact on audiences. In a previous

interview, the director also shared that Vijay's wife had read and liked the sequel's storyline, further fueling speculation about Sethupathi's involvement.

The original 96 followed the story of Ram and Jaanu, childhood sweethearts who reconnect after decades during a school reunion. The film's strength lay in

its gentle portrayal of unrequited love, nostalgia, and emotional restraint. It was lauded for its direction, music by Govind Vasantha, and the tender chemistry between the lead actors. Alongside Vijay and Trisha, the film also featured standout performances from Gouri G Kishan, Aadithya Bhaskar, Devadarshini, Bagavathi Perumal, and Aadukalam Murugadoss.

Since then, both lead actors have continued to expand their filmography. Vijay Sethupathi was recently seen in Viduthalai Part 2, directed by Vetrimaaran, and is set to appear in Ace, Train, and a yet-untitled project with Nithya Menen. Trisha, meanwhile, was last seen in Vidaamuyarchi alongside Ajith Kumar and is set to star in Good Bad Ugly, Thug Life, Vishwambhara, Suriya 45, and more. As the 96 sequel takes shape, fans eagerly await to see where Ram and Jaanu's journey heads next– more healing or heartbreak in store for them.

Tamannaah Bhatia

A Vision In Black, Will Make You Stop And Stare

actress recently strutted down the runway at the prestigious Lakme Fashion Week, wherein she turned showstopper for Falguni Shane Peacock. With her effortless elegance, she left a lasting impression on the audience, winning hearts with her undeniable beauty.

amannaah Bhatia is setting the bar high with her glamorous photos on the Internet and how. The has been in the headlines for her personal life. A source earlier told Pinkvilla that they have maintained mutual respect and plan to remain good friends despite the separation. He said, "Tamannaah Bhatia and Vijay Varma parted ways weeks ago as a couple but they plan to remain good friends. Both have been working hard in

their respective schedules." Talking about the reason behind their breakup, another report by Siasat Daily claimed that the actress wanted to settle down, tie the knot with the actor and was growing impatient. The pressure eventually turned into a "point of contention" between the two actors and caused several "frequent disagreements".

Tamannaah Bhatia and Vijay Varma started dating each other in 2022. The duo met each other while filming for Sujoy Ghosh's segment in Netflix's Lust Stories 2. The show premiered in June 2023. Their relationship was confirmed by the actress in an interview with Film

Companion in June 2023.

On the work front, Tamannaah Bhatia will next be seen in Shiva Shakti in her upcoming film, Odela 2. In the film, she plays a Shiva devotee who saves her village from evil forces. The film, a sequel to Odela Railway Station (2022), is slated for release on April 17. Written by Sampath Nandi, the film will see Tamannaah alongside Hebah Patel, Vasishta N Simha, Yuva, Naga Mahesh, and several others.



Now, Tamannaah has posted a close-up view of her look, much to the delight of fans on social media. In the post on Instagram stories, Tamannaah Bhatia is seen wearing a stunning black ensemble, featuring a tailored blazer paired with a sheer top and sleek black trousers. The corset top was further adorned with floral embellishments, elevating the look to new heights. Her bold makeup and open tresses sealed the glam deal, compelling fashionistas to take notes from.

